राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 284 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये

दुर्ग, बुधवार 20 अगस्त 2025

www.samaydarshan.in

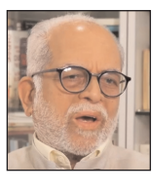

रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी विपक्ष के उपराष्ट्रपति कैंडिडेट, सुप्रीम कोर्ट में जज रह चुके

नई दिल्ली। I.N.D.I.A ने सुप्रीम कोर्ट से रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला ह्ष्ठ के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। 79 साल के रेड्डी गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और गोवा के पहले लोकायुक्त रह चुके हैं। वे आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। 2007 में सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। खास बात है कि दोनों उम्मीदवार दक्षिण से हैं। रिटायर्ड जस्टिस रेड्डी आंध्रप्रदेश से, जबकि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं। राधाकृष्णन 20 जबकि रेड्डी 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

सरकार बोली- क्या कोर्ट संविधान दोबारा लिख सकती है; राष्ट्रपति-राज्यपाल के फैसलों की डेडलाइन का मामला

राष्ट्रपति ने सलाह मांगी तो दिक्कत क्या- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को गवर्नर-प्रेसिडेंट के लिए विधेयकों पर मंजूरी देने के लिए डेडलाइन बनाने के मामले में सुनवाई की।

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को राष्ट्रपति और राज्यपालों के बिलों पर हस्ताक्षर करने के लिए डेडलाइन लागू करने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। ष्टछ्वढ्ढ बीआर गवई की अध्यक्षता वाली 5 जजों की संविधान पीठ ने पूछा, 'जब खुद राष्ट्रपति ने राय मांगी है तो इसमें दिक्कत क्या है? क्या आप वाकई इसे चुनौती देना चाहते हैं। बेंच ने कहा कि कोर्ट इस मामले में सलाहकारी अधिकार-क्षेत्र में बैठी है, यानी अभी यह कोई अंतिम आदेश नहीं बल्कि केवल राय देने की प्रक्रिया है। केंद्र सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने सुप्रीम कोर्ट के अप्रैल 2025 वाले फैसले पर कहा कि क्या अदालत संविधान को फिर से लिख सकती है? कोर्ट ने गवर्नर और राष्ट्रपति को आम प्रशासनिक अधिकारी की तरह देखा, जबकि वे संवैधानिक पद हैं।

केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, 'संविधान सभा ने जानबूझकर गवर्नर और राष्ट्रपति के लिए कोई समय सीमा नहीं रखी थी।' इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु मामले में दखल इसलिए देना पड़ा क्योंकि गवर्नर लंबे समय तक बिलों पर बैठे रहे और लोकतांत्रिक प्रक्रिया रुक गई। अब अदालत तय करेगी कि राष्ट्रपति और गवर्नर की शक्तियों पर उसकी व्याख्या कितनी लागू होगी।

सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर बेंचच में आज केरल और तमिलनाडु सरकार की शुरुआती आपत्तियों पर सुनवाई हुई। दोनों राज्यों का उनका कहना है कि राष्ट्रपति ने जो सवाल उठाए हैं, उनमें से ज्यादातर का जवाब पहले ही तमिलनाडु वाले फैसले में मिल चुका है सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी। वहीं, केरल सरकार की तरफ से सीनियर एडवोकेट केके वेणुगोपाल और तमिलनाडु की तरफसे अभिषेक मनु सिंघवी शामिल हुए।

ये मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था।

रेलवे का नया नियम: ज्यादा सामान पर लगेगा जुर्माना, स्टेशन पर बैग का किया जाएगा वजन

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए बड़ा कदम उठाने जा रहा है। अब एयरपोर्ट की तरह रेलवे स्टेशन पर भी यात्रियों के सामान का वजन किया जाएगा। अगर वजन तय सीमा से ज्यादा हुआ तो यात्रियों से जुर्माना वसूला जाएगा। इसके अलावा बैग की साइज को लेकर भी मापदंड निर्धारित किए गए हैं। अगर बैग की साइज इससे ज्यादा हुई तो भी जुर्माना भरना पड़ेगा। श्रेणी के हिसाब से सामान की सीमा अलग-अलग होगी। नए नियमों के मुताबिक, अब आप ट्रेन के सामान्य कोच में 35 किलोग्राम तक ही सामान ले जा सकेंगे। वहीं, स्लीपर और एसी थर्ड श्रेणी में 40 किलोग्राम, एसी द्वितीय श्रेणी में 50 और एसी प्रथम श्रेणी में 70 किलोग्राम सामान ले जाने की अनुमति होगी। अगर यात्री तय सीमा से ज्यादा वजन वाला सामान या फिर वजन कम होने के बावजूद बहुत बड़ा बैग ले जाता है, तो उसे अतिरिक्त पैसे या जुर्माना देना होगा।

संक्षिप्त समाचार

सिक्स लेन में थनौद के पास नया पुल नहीं बना तो पूरा गांव हो जाएगा जलमग्न

दुर्ग (समय दर्शन)। बारिश के समय अभी तो जैसे तैसे पानी कि निकासी हो रही है। शिवनाथ नदी के पास थानौद गांव में इन दिनों ग्रामीणों ने सिक्स लेन में मिट्टी भराव का कार्य रुकवा दिया है। ग्रामीणों का मांग है कि नया पुलिया बनाया जाना चाहिए जिससे कि बरसात का पानी कि निकासी आसानी से हो जाए। बता दे कि पिछले माह हुई बारिश से ग्रामीणों के होश उड़ गए। अभी बरसात बाकी है और अभी से जल भराव हो गया है। थोड़ी मिट्टी डालने पर भी बरसात का पानी कि निकासी नहीं हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सेक्स लेन बनने के बाद सड़क थोड़ा और ऊंचा होगा तो पानी की निकासी रुक जाएगी। अभी यह स्थिति है कि पूरा खेत एक सप्ताह तक डूबा था। गांव के आधा से ज्यादा घरों तक पानी पहुंच गया था। जिसके बाद ग्रामीणों एकजुट हुए और कार्यस्थल पर जाकर निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सिक्स लेन बना रहा है अच्छा है। लेकिन बरसात के पानी का निस्तरी कैसे हो इसका भी उपाय किया जाना चाहिए। नया पुल बनाने की जरूरत है जिससे कि पानी न रुके। अगर एन एच ए आई द्वारा नया पुल नहीं बनाया गया तो वो दिन दूर नहीं जब बरसात के दिनों में ग्रामवासी को अपने ही घर में घुसने में दिक्कत हो जाएगी। वही खेत का फसल भी पानी में डूबकर खराब हो जायेगा। ग्रामीणों ने कहा कि नया पुल नहीं बनाया तो आंदोलन और तेज करेंगे।

संक्रामक बीमारी उल्टी-दस्त से दो ग्रामीण की अकाल मौत

कोरबा (समय दर्शन)। जिले की सीमा क्षेत्र एवं पोड़ी उपरोड़ा ब्लाक अंतर्गत ग्राम पाली के दर्री पारा मोहल्ले में एक सप्ताह पूर्व फैली संक्रामक बीमारी उल्टी-दस्त से दो ग्रामीणों की अकाल मौत हो गई। महिला एवं पुरुष-बच्चे लगभग 1 दर्जन लोगों को आनन-फानन में इलाज के लिए पोड़ी उपरोड़ा भेजा गया था, जिन्हें 5 दिन बाद छुट्टी दे दी गई। हमारे सहयोगी ने घटनास्थल पर पहुंच कर उल्टी-दस्त से पीड़ित ग्रामीण से जानकारी एकत्र कर बताया कि दूरस्थ वनांचल ग्राम पाली दर्री पारा में बीमारी से ग्रसित ग्रामीणों ने बताया कि वहां उल्टी-दस्त का संक्रमण फैलने के पूर्व मौसमी बीमारियों के लिए स्वास्थ्य विभाग ने किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य कैम्प नहीं लगाया था, ना ही विभाग की गाइडलाइन अनुसार दूरस्थ वनांचल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग के फील्ड वर्करों ने जरूरी समुचित दवाइयों का वितरण किया था। ग्रामीण जानकारी के अभाव में अपने स्वयं के खर्चे से सीमावर्ती एमसीबी जिले में जाकर इलाज कराना जरूरी समझा।संक्रामक बीमारी के फैलने के दो दिन बाद इस जानलेवा संक्रमित बीमारी से पीड़ित ग्रामीणो ने स्थानीय सरपंच को घटने के बारे में अवगत कराया, तत्पश्चात स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिलने के बाद विभाग अपने कुंभकर्णी नींद से जागा। जब टीम हरकत में आई तब तक समय पर इलाज के अभाव में संपत्त सिंह पिता सुखराज सिंह कुसरो 60 वर्ष की अकाल मृत्यु हो गई। देखते ही देखते स्कूली बच्चे एवं महिलाओं को भी उल्टी-दस्त शुरू हो गया जिसमें गनपत सुकरिया बाई 50 वर्ष,राम लाल देवशनिया 60 वर्ष,मान सिंह25 ,नीरा बाई सोहन 16 वर्ष, पार्वती, सावित्री, राजु ,हिरमतिया ज्ञान सिंह 27 वर्ष , काजल रुप सिंह, तिलेश्वर एवं अन्य ग्रामीणों का पोड़ी उपरोड़ा में उपचार चल रहा था कि 5 दिन बाद इतवार पिता बाबू लाल गोड़ की अकाल मृत्यु हो गई।

तीन साल से मायके मे रहकर कर रही है न्याय की प्रतीक्षा

बड़े डाभा की गायत्री पटेल ने लगाया दहेज प्रताड़ना और सामाजिक बहिष्कार का आरोप

बसना(समय दर्शन)। बसना ब्लॉक के बड़े डाभा निवासी गायत्री पटेल (पति मुरलीधर पटेल, ससुराल ङ्क बड़े टेमरी) ने मीडिया के सामने आकर अपने साथ हुए कथित उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना, मारपीट और समाज द्वारा बहिष्कार के गंभीर आरोप लगाए हैं।

गायत्री पटेल ने बताया कि उनकी शादी को महज 5 वर्ष हुए हैं। लॉकडाउन के दौरान उनकी शादी हुई थी और माता-पिता की सामर्थ्य अनुसार उन्होंने विवाह में बाइक, सोना-चांदी, बर्तन, नगद राशि और अन्य आवश्यक सामान दिए थे, जैसा कि गांव-देहात में परंपरा होती है। इसके बावजूद शादी के डेढ़ साल बाद से ही पति और ससुर शराब के आदी होने के कारण रोजाना नशे की हालत में घर आकर दहेज कम लाने का ताना देते और मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि डेढ़ महीने के गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ उन्हें घर से बाहर कर दिया गया। पति अक्सर गाली-गलौज एवं मारपीट करता है। अंततः समाज के कुछ सदस्यों के साथ मिलकर मुझे घर से निकाल दिया।

गायत्री ने बताया कि ससुराल पक्ष ने समाज के सामने शर्त रखी थी कि 2 लाख रुपये और एक चार पहिया वाहन लाने पर ही उन्हें वापस ससुराल में रखा जाएगा। वहीं समाज के कुछ लोगों ने भी 3 लाख रुपये देने पर ही समाज में वापस मिलाने की बात कही।

पीड़िता का कहना है कि मामले की शिकायत समाज में करने के बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिला, बल्कि सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया। हमारे घर आना-जाना, बातचीत, हुक्का-पानी सब बंद कर दिया गया।

गायत्री का मायका बड़े डाभा में है और उनका परिवार सब्जी का व्यापार करता है। इतनी बड़ी राशि जुटाना उनके लिए संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि वह कई बार बसना थाने, महासमुंद एसपी कार्यालय और कलेक्टर तक जाकर लिखित व मौखिक शिकायत दर्ज करा चुकी हैं, लेकिन अब तक न्याय नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में पुलिस और प्रशासन की धीमी कार्यवाही के कारण वह बीते 3 वर्षों से मायके में रहकर संघर्ष कर रही हैं। अब वह मीडिया के माध्यम से अपनी आवाज समाज और प्रशासन तक पहुंचाकर न्याय की मांग कर रही हैं।

मानपुर ब्लॉक के गांवों में बच्चों को शिक्षा किट, यूनिफॉर्म और जूते बांटे

मोहला (समय दर्शन)। प्री-स्कूल पोषण, शिक्षा और राहत कार्यक्रम के तहत जीव दया फउंडेशन के सहयोग से जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव द्वारा ग्राम पंचायत कांदाड़ी और कामखेड़ा में बच्चों को सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य मंगतूराम कोमरे, सरपंच पिलेश्वरी भुआर्य, प्राचार्य नकुल नेताम और उपसरपंच शायमा औरसा मौजूद रहे।

भारत माता के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस दौरान 3 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 61 बच्चों को शिक्षा किट, यूनिफॉर्म और जूते वितरित किए गए। संस्थान के कार्यकर्ता हरीश कुमार क्षत्रिय ने बताया कि संस्था जिला प्रशासन के साथ मिलकर कुपोषण उन्मूलन की दिशा में कार्य कर रही है। वर्तमान में मानपुर ब्लॉक के कांदाड़ी, मुरझर, कामखेड़ा, सहपाल और चावरगांव के 6 माह से 5 वर्ष तक के 154 कुपोषित बच्चों के साथ विशेष रूप से काम किया जा रहा है।

जनपद सदस्य मंगतूराम कोमरे ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र भेजें, ताकि बच्चे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकें। सरपंच पिलेश्वरी भुआर्य ने कहा कि संस्था की पहल से बच्चों की उपस्थिति में बढ़ोत्तरी हुई है और बच्चे अब प्रतिदिन यूनिफॉर्म पहनकर केंद्र आ रहे हैं। उन्होंने संस्थान के कार्य को सराहनीय बताया।

कार्यक्रम में प्राचार्य नकुल नेताम, पूर्व सरपंच शैलेदी मंडावी, मंजू ठाकुर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुरजोतिन, दिलकर शाह मंडावी, भुवनलाल कोरियारा, चैन सिंह राणा, देवसाय शाह, सूखेन्द्र भुआर्या, ललिता मड़ावी, मितानिन किशन सिंह साहू, मनीषा मंडावी, गौरी यादव, शशि मंडावी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय बसना में दीक्षांत समारोह का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। शासकीय महाविद्यालय बसना में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।प्राचार्य डॉ. एस. के. साव के निर्देशन में विज्ञान , कला एवं वाणिज्य संकाय के प्रथम सेमेस्टर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षा आरंभ समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ की गई । उन्होंने माता सरस्वती के पूजा के साथ दीक्षारंभ कार्यक्रम के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए नई शिक्षा नीति 2020 के तहत लचीले एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट किया । उन्होंने बताया कि NEP2020 गत वर्ष से हमारे छत्तीसगढ़ राज्य की उच्च शिक्षा विभाग में लागू किया गया है, जिसके तहत महाविद्यालय में दीक्षा आरंभ समारोह का आयोजन किया जाता है। दीक्षा आरंभ का अर्थ है शिक्षा की शुरुआत करना इसके पश्चात उन्होंने NEP2020 के बारे में बताते हुए कहा कि, यह एक महत्वाकांक्षी पहल है,, जिसका उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली की पुरानी व्यवस्थाओं को परिवर्तित कर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। यह प्रणाली छात्र केंद्रित और बहू विषयक है । प्राचार्य ने विद्यार्थियों के स्वर्णिम भविष्य की आशा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया । इसके पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी एन के प्रधान ने अपने उद्बोधन में कहा कि, प्रत्येक छात्र चाहे वह कला , वाणिज्य या विज्ञान संकाय का हो, उसे अन्य संकायों की विषयों की अध्ययन करने की स्वतंत्रता है । NEP2020 के तहत विद्यार्थी मल्टीपल एंट्री एवं मल्टीपल एग्जिट कर सकते हैं। यदि कोई विद्यार्थी 1 वर्ष की अध्ययन के पश्चात एग्जिट करता है तो उसे सर्टिफिकेट ,दो वर्ष के पश्चात डिप्लोमा, 3 वर्ष के पश्चात डिग्री तथा 4 वर्ष पूर्ण होने पर ऑनर्स विथ रिसर्च की उपाधि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा

दुर्ग (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संभागायुक्तों एवं कलेक्टरों की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का आयोजन, लोक निर्माण विभाग की सड़कों हेतु भू-अर्जन प्रकरणों, राजस्व विभाग के ई-कोर्ट न्यायालयों में प्रकरणों का त्वरित निराकरण, एग्रीस्टेक के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन एवं किसान आईडी निर्माण तथा खरीफफसलों का डिजिटल फसल सर्वेक्षण 15 अगस्त से 30 सितम्बर तक पूर्ण करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के आयोजन के संबंध में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रत्येक जिले में रजत महोत्सव को गरिमामय और जनसहभागिता के साथ आयोजित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार करते हुए प्रत्येक विभाग द्वारा एक-एक सप्ताह स्थानीय त्यौहार एवं विशेष अवसरों पर कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। इसी क्रम में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक 'सेवा पखवाड़ा' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जो रजत जयंती समारोह का ही एक महत्वपूर्ण भाग होगा। राजस्व विभाग के अंतर्गत संचालित ई-कोर्ट प्रणाली पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के कलेक्टरों से कहा कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण किया जाए। इससे न केवल आम नागरिकों को राहत मिलेगी, बल्कि न्याय प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति भी आएगी। साथ ही उन्होंने संभागीय आयुक्त न्यायालयों में न्यायालयीन प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करने को कहा। इस दौरान कृषि विभाग की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ एग्रीस्टेक प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए और उनकी किसान आईडी बनाई जाए, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिल सके। कोई भी किसान इससे वंचित न हो इसका विशेष ध्यान रखे।

मुख्यमंत्री ने डिजिटल फसल सर्वेक्षण अभियान पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कलेक्टरों से कहा कि यह सर्वेक्षण 15 अगस्त से आरंभ कर 30 सितम्बर 2025 तक पूर्ण किया जाए। सर्वेक्षण का कार्य सटीक, पारदर्शी और समयबद्ध होना चाहिए, जिससे भविष्य में किसानों को फसल बीमा, मुआवजा और अन्य योजनाओं का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने सभी संभागायुक्तों एवं कलेक्टरों से कहा कि विकास कार्य और जनसेवा से जुड़े कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। जिला कार्यालय दुर्ग स्थित एनआईसी कक्ष में संभाग आयुक्त श्री एस.एन. राठौर, कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह और राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गौमाता को रौंदने वाले वाहन चालक पर शिवसेना ने दर्ज कराया अपराध

राजनांदगांव (समय दर्शन)। बीते रविवार की रात नेशनल हाइवे पर हुए दर्दनाक हादसे में 9 गौमाताओं की मौत के बाद शिवसेना ने कड़ा रुख अपनाया है। जिले के लालबाग थाना में वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कराया गया है।

शिवसेना जिलाध्यक्ष आकाश सोनी ने बताया कि रात लगभग 2 बजे एक तेज रफ्तार ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए 9 गौमाताओं को कुचल दिया। इस मामले में कार्यवाही की मांग को लेकर शिवसेना प्रदेश सचिव कमल सोनी, चन्द्रशेखर शुक्ला, डिगम्बर साहू और टकेश्वर साहू के साथ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्यवाही का आश्वासन दिया। इसके बाद शिवसैनिक लालबाग थाना पहुंचे और वहां अपराध पंजीबद्ध कराया।

जिलाध्यक्ष आकाश सोनी ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि सड़कों पर लगातार वाहन चालक गौमाताओं को कुचल रहे हैं और लोग रिपोर्ट दर्ज कराने से बचते हैं। ऐसे में अपराधियों पर कानूनी कार्रवाई नहीं हो पाती और घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

उन्होंने बताया कि शिवसेना प्रदेश प्रमुख धनंजय सिंह परिहार के आदेशानुसार पूरे प्रदेश में पिछले 50 दिनों से महा हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। इसमें गौमाता को राज्य माता का दर्जा देने, गौहत्या करने वालों पर हत्या का मामला दर्ज करने, गौतस्कर वाहनों को राजसात करने और गांव-गांव के गौठानों में मवेशियों को रखकर रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है।

शिवसेना नेताओं का कहना है कि अभियान के चलते मुख्यमंत्री ने गौधाम बनाने की घोषणा जरूर की है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस व्यवस्था अब तक नजर नहीं आई है। सड़कों पर विचरण कर रही गौमाताएं लगातार दुर्घटनाओं की शिकार हो रही हैं। बीती रात का हादसा इसकी ताजा मिसाल है।

पाटन लॉक में चरमरा गई है स्वास्थ्य व्यवस्था, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सभी अस्पताल स्टाफ हड़ताल पर चले गए, ग्रामीण क्षेत्र में हड़ताल का काफी असर दिख रहा है

पाटन(समय दर्शन)। पाटन ब्लॉक में पिछले दो दिन से मरीजों का इलाज भगवान भरोसे हो रहा है। ब्लॉक के दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और 5 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सहित सभी उपस्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। बता दे कि पाटन ब्लॉक के सभी स्वास्थ्य केंद्र में पदस्त एन एच एम स्टाफऔर कार्यालय स्टाफहड़ताल पर चले गए है। जिसके कारण यह स्थिति निर्मित हुई है। मरीज का इलाज करने वाला कोई नहीं हैं। वही टीकाकरण और भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का कार्य भी ठप्प पड़ी हुई हैं । जानकारी के मुताबिक पाटन ब्लॉक में पाटन और झीट में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित है। इसके अलावा 5 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 40 उपस्वास्थ्य केंद्र संचालित है। गाड़डीह , झीट के एक एक डॉक्टर हड़ताल पर है। ग्रामीण क्षेत्र में संचालित सभी उपस्वास्थ्य केंद्र में पदस्त ग्रामीण

स्वास्थ्य अधिकारी भी हड़ताल पर चले गए है। इस कारण स्वास्थ्य सेवा प्रभावित हो रही है। पाटन, रानीतराई, पुरैना हॉस्पिटल में पदस्त आर एम ए भी हड़ताल पर है। इस कारण उन सभी हॉस्पिटल में भी स्वास्थ्य सेवाएं ठप पड़ी है। आलम यह है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ओ पी डी में मरीज देख रहे हैं। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर भुनेश्वर कठौतिया भी आफिस कार्य के साथ साथ मरीजों का इलाज कर रहे है।

जन्माष्टमी के अवसर पर पौधारोपण

महासमुंद(समय दर्शन)। ग्राम उल्बा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार पौधे लगाए गए, जिससे वातावरण को हराभरा बनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में शाला प्रबंध समिति के वरिष्ठ सदस्य गिरधारी चौहान, रामलाल ध्रुव, सुरेश प्रधान, धनीराम प्रधान, श्रीमती जमुना यादव, श्रीमती चंद्रा ध्रुव तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुरजा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

प्रधान पाठक रवि पटेल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें केवल अपनी शाला ही नहीं बल्कि अपने गांव को भी हरा-भरा बनाना होगा। हर बच्चे को अपनी मां के नाम से एक पौधा लगाना चाहिए। समिति के वरिष्ठ सदस्य गिरधारी लाल प्रधान ने कहा कि प्राथमिक शाला से यह पहल पूरे गांव के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा जन्माष्टमी जैसे पावन पर्व पर पौधारोपण करना पुण्य का कार्य है। हम सबको अपने लगाए हुए पौधों की देखभाल करनी होगी ताकि वह एक सशक्त वृक्ष बन सके। इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने मिलकर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक विजय सिंह राजपूत ने किया।

इस पहल से न केवल विद्यालय परिसर हरा-भरा होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए भी रचनात्मक संदेश मिलेगा।

भूतेश्वर नाथ धाम मरोदा में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अंतर्गत फूड फेस्टिवल का आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव कार्यक्रम अंतर्गत आज ग्राम पंचायत मरोदा के भूतेश्वर नाथ धाम में फूड फेस्टिवल का आयोजन किया गया।जिसमें छत्तीसगढ़ के रागी,कोदो-कुटकी,ज्वार बाजरा, शहद से बने विभिन्न प्रकार के व्यंजन स्टॉल लगाया गया। भूतेश्वर नाथ धाम मरोदा में 13 स्वसहायता समूह द्वारा विभिन्न प्रकार के आजीविका गतिविधि संचालित किया जा रहा है,जिसमें महिलाओं के आजीविका गतिविधि में सुधार हो रहा है। जिसमें बिहान योजना अंतर्गत महिला स्व सहायता समूह को लखपति बनाने में सहयोग होगी तथा उनकी ग़रीबी उन्मूलन और महिला सशक्तिकरण की और आगे बढ़ेंगे।कार्यक्रम में जनपद पंचायत गरियाबंद सीईओ के.एस.नागेश,बीपीएम प्रफुल्ल देवांगन, दुर्गेश प्रसाद साहू क्षेत्रीय समन्वयक,सचिव, सरपंच, पंच,स्वसहायता समूह के दीदी उपस्थित थे।

नाव पलटने से युवक की मृत्यु

कोरबा (समय दर्शन)। जिले के मोरगा चैकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मदनपुर में मछली पकड़ने नाव लेकर नदी में गए 42 वर्षीय युवक की मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार युवक नदी के बीचों-बीच पहुंचा ही था कि अचानक उसकी नाव में पानी भरने लगा और नाव पलट गई। युवक तैरकर बाहर नहीं निकल पाया और डूब गया। घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पिछले दो दिनों से उसकी तलाश जारी थी। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने आखिरकार नदी से शव बरामद कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला मोरगा चैकी क्षेत्र अंतर्गत का है। जहां ग्राम मदनपुर में निवास करने वाले रामकुमार मरकाम उम्र (42 वर्ष) 15 अगस्त को मोनासी नदी में मछली पकड़ने के लिए नाव लेकर गया हुआ था। लगभग दोपहर लगभग 12. 30 बजे नदी के बीचो-बीच पहुंचा हुआ था और मछली पकड़ने में लगा हुआ था कि इसी दौरान धीरे-धीरे कर उसके नाव में पानी भरता चला गया और उसे पता नहीं चला। जब नाव का बैलेंस बिगड़ा, तब उसे पता चला कि नाव में पानी भर चुका है और इस बीच नाव पलट गई और वह नदी में वह डूब गया।

आसपास के कुछ लोगों की नजर उस पर पड़ी तो इसकी सूचना स्थानीय लोगों को दी गई।

विभाग द्वारा नशे के व्यापार में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध लगातार कार्यवाहियां की जा रही है

छत्तीसगढ़ में नशीली दवाओं के खिलाफबड़ी कार्रवाई, औषधि प्रतिष्ठानों में निरीक्षण जारी

रायपुर (समय दर्शन)। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देशन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ के औषधि निरीक्षकों की टीम द्वारा प्रदेश स्तर पर प्रावधानों के उल्लंघन करने वाले व्यापारियों तथा नशीली दवाइयों के अवैध व्यापार में संलिप्त नशे के सौदागरों के विरुद्ध सघन छापा मार कार्यवाही की गयी है। विभाग द्वारा नशे के व्यापार में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध लगातार कार्यवाहियां की जा रही है। इसी कड़ी में पटना पुलिस जिला कोरिया एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन जिला कोरिया की संयुक्त टीम के द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर मांजा मोड़ कुडेली के पास घेराबंदी कर एक आरोपी के कब्जे से 15 स्ट्रिप कुल 120 नग स्पासमों प्रोक्सीवोन पल्स कैप्सूल बरामद किया गया। आरोपी पर एन डी पी एस एक्ट 1985 की धारा 22 के तहत अपराधिक प्रकरण दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। राज्य के आमजनों को उच्च गुणवत्तायुक्त औषधियां उपलब्ध हो सके इस हेतु राज्य के औषधि निरीक्षकों के द्वारा प्रदेश के औषधि प्रतिष्ठानों में लगातार निरीक्षण किया जा रहा है और प्रावधानों के उल्लंघन पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाहियां की जा रही है। इसी कड़ी में विभाग द्वारा पिछले एक हफ्ते में कुल 163 औषधि प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया जिसमे से 06 फर्मों श्री राम मेडिकल स्टोर्स कांकेर, यदु मेडिकल स्टोर्स नरहरपुर, साहू मेडिकल स्टोर्स चारामा, जैस्मिन मेडिकल पलारी, चंद्राकर मेडिकल सोते खैरागढ़, सद् ?गुरु मेडिकल स्टोर्स खैरागढ़ में अनियमितता पाए जाने पर प्रशासनिक कार्यवाही हेतु अनुज्ञापन प्राधिकारी को प्रेषित किया गया है। उक्त निरीक्षण किये गए फर्मों में से कुल 19 फर्मों में CCTV कैमरा इंस्टॉल नहीं पाया गया, जिन्हे 7 दिवस के भीतर कैमरा इंस्टॉल करवाने हेतु निर्देशित किया गया। राज्य में औषधियों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने हेतु विभाग के औषधि निरीक्षको के द्वारा जाँच हेतु नियमित नमूना

संग्रहण किया जा रहा है। इसी कड़ी में पिछले एक हफ्ते में कुल 35 औषधियों का विधिक नमूना संकलन किया गया एवं जाँच हेतु राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया। राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर के द्वारा कुल 19 औषधि नमूनों का जाँच किया गया। उक्त समस्त औषधि को राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला कालीबाड़ी रायपुर के द्वारा मानक स्तर का घोषित किया गया है। इसी तरह विभाग द्वारा कुल 03 ब्लड सेंटर्स और 01 निर्माण इकाई का निरीक्षण किया गया। सृष्टि ब्लड सेण्टर रायपुर एवं बिलासा ब्लड सेण्टर कोरबा का मुंबई से आये सीडीएससीओ के अधिकारियो के साथ नवीनीकरण हेतु निरीक्षण किया गया तथा सराईपाली में नवीन लाइसेंस जारी करने हेतु शुभा ब्लड सेण्टर का निरीक्षण किया गया। इसी कड़ी में चाम्पा स्थित ऑक्सीजन निर्माता फर्म साकेत ऑक्सीजन का निरिक्षण किया गया एवं आगामी कार्यवाही हेतु रिपोर्ट मुख्यालय प्रेषित किया गया। राज्य के युवा पीढ़ी को तम्बाखू एवं अन्य पान मसाला के नशे से बचाने हेतु कोटपा एक्ट के तहत विभाग द्वारा राज्य में निरंतर सघन अभियान चलाया जा रहा है, इसी कड़ी में इस हफ्ते कुल 132 चालानी कार्यवाही करते हुए कुल 14 हजार 480 रुपए वसूल किये गए। राज्य में आमजनों को जीवन रक्षक औषधियां सरकार द्वारा तय दाम में उपलब्ध हो सके इस उद्देश्य से विभाग के अंतर्गत संचालित पीएमआरयू यूनिट के द्वारा राज्य के औषधि प्रतिष्ठानों में नियमित निरीक्षण किया जाता है और तय दाम से अधिक में विक्रय हो रहे औषधियों के नमूना संकलन कर नियमानुसार कार्यवाही की जाती है। इसी कड़ी मे पीएमआरयू युनिट के द्वारा कुल 10 फर्मों में निरीक्षण कर कुल 04 औषधियों इटरारेंज टेबलेट बैच नंबर C4017A निर्माता सैमसन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड सोलन (हिमाचल प्रदेश), इटरारेंज टेबलेट बैच नंबर C40155 निर्माता सैमसन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड सोलन (हिमाचल प्रदेश), वेरजिम 50 टेबलेट बैच नंबर 1Bv-413 टिकोमा फार्मासिया जिला मोहाली (पंजाब), इट्राहील 200 टेबलेट बैच नंबर SPC-1261 शीन फार्मास्यूटिकल जालन्धर (पंजाब) को तय दाम से अधिक मूल्य में विकय होते हुये पाया गया जिसमे प्रकरण तैयार कर नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी नई दिल्ली को अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

एचडीएफ़सी बैंक ने भारतजीपीटी क्रिएटर कोरोवर में निवेश किया

मुंबई: भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफ़सी बैंक ने एक अग्रणी संवादात्मक एआई कंपनी कोरोवर में निवेश की घोषणा की है। कोरोवर एक अग्रणी, संप्रभु और उद्यम-स्तरीय लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) है जिसने भारतजीपीटी का निर्माण किया है । कोरोवर का उपयोगकर्ता आधार लगभग 1 अरब है और इस पर 25,000 से अधिक उद्यम और डेवलपर्स भरोसा करते है जो संवादात्मक एआई एजेंट, एआई सहायक (वीडियोबॉट, वॉयसबॉट, चैटबॉट) और टेलीफ़ोनी एआई समाधान विकसित करता है। ये समाधान भारतजीपीटी द्वारा संचालित हैं, जो एक बहुभाषी, बहुविध और डोमेन-अनुकूलनीय एलएलएम है, जिसे पूरी तरह से भारत में, भारत के लिए बनाया गया है। एचडीएफ़सी बैंक के ग्रुप हेड ट्रेजरी, अरूप रक्षित ने कहा, भारतजीपीटी का विकास, जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में कई भारतीय भाषाओं में सूचनाओं के आदान-प्रदान को सक्षम बनाता है, ने कोरोवर को हमारे लिए विशिष्ट बना दिया है। हम कोरोवर की विशेषज्ञता को महत्व देते हैं, जो विशिष्ट स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करती है। कोरोवर के माध्यम से इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल एक्सेलेरेटर प्रोग्राम में एक सार्थक भूमिका निभाने का हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ है। कोरोवर के संस्थापक और सीईओ अंकुश सभरवाल ने कहा, भारतजीपीटी की पहुँच और प्रभाव का विस्तार करते हुए हमें एचडीएफ़सी बैंक और अन्य निवेशकों का विश्वास और समर्थन प्राप्त करने पर गर्व है। यह साझेदारी एक ऐसे एआई के निर्माण के लिए साझा प्रतिबद्धता का संकेत देती है जो संप्रभु, सुरक्षित, समावेशी और भारत के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विस्तार करने में सक्षम हो। कोरोवर, स्टेशन एफ़ पेरिस और एचईसी पेरिस के साथ साझेदारी में एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय एक्सेलेरेटर कार्यक्रम, इंडियाएआई स्टार्टअप्स ग्लोबल जैसे अवसर प्रदान करने के लिए, सरकार की नीतिगत पहल और इंडियाएआई मिशन जैसी पहलों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करता है। कोरोवर का स्वामित्व वाला प्लेटफ़ॉर्म, उद्यमों को भारतजीपीटी की गहन भाषा समझ, बोली विविधता और प्रासंगिक सटीकता के साथ एकीकृत, ध्वनि, वीडियो और चैट के माध्यम से बुद्धिमान संवादी एआई एजेंटों को तेज़ी से तैनात करने में सक्षम बनाता है। कंपनी द्वारा हाल ही में लॉन्च किया गया भारतजीपीटी मिनी, एआई को निम्न-स्तरीय उपकरणों पर और बिना इंटरनेट कनेक्टिविटी (टेलीफ़ोनी एआई) के कार्य करने की अनुमति देता है, जिससे सीमित बुनियादी ढाँचे वाले वातावरण में पहुँच में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है।

खुद में ही है खुदा : मनीष सागर, निर्वाण तभी संभव, जब आत्मा पापों से निर्लेप होगी

रायपुर (समय दर्शन)। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने आज कहा कि भगवान महावीर के पास जितने आए, वह सब उनको ही भगवान नहीं मानते रहे। वह स्वयं भगवान बनते चले गए। 11 के 11 गणधर आए। उन्होंने प्रभु महावीर को भगवान मानकर उनके प्रति अपने आपको समर्पित किया। अंत में जाकर वे सभी स्वयं परमात्मा बन गए। यानि खुदा जो है वो खुद में ही है। हमें यह ध्यान रखना है। खुद ही खुदा हो। मतलब स्वयं आत्मा ही परमात्मा है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जब प्रमाद में आ जाते हो तो अपनी असली पहचान भूल जाते हो। अपनी पहचान भूल गए, इसलिए ही प्रमाद करते रहते हो। प्रमाद से राग आदि करते हो। रागादि से फिर संसार बढ़ता है। कर्म बंधते हैं। पाप बढ़ता है। आत्मा में लेप बढ़ता है। निर्वाण तभी संभव है, जब आत्मा निर्लेप होगी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि मैं परमात्मा स्वरूपी आत्मा हूं।अपनी पहचान को याद रखें। उसका अनुभव करने का प्रयास करें। ज्ञानी बोलते हैं कि जिस समय इस आत्मा को अपने स्वरूप का ज्ञान होता है तो रागादियों को खदेड़ना नहीं पड़ता। राग आदि अपने आप समझ जाते हैं कि यहां पर अब अपने लिए जगह नहीं है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जिन शासन में दो शैली होती है। एक होती है राग आदि को हटाओ। दूसरी होती है कि आत्मा के शुद्ध स्वरूप को पहचानो और उसमें लीन हो जाओ। दोनों तरह के पुरुषार्थ करते रहें। एक तरफ रागादि छोड़ने की भावना करें और उसका उपाय यही है कि आत्मा के शुद्ध स्वरूप को पहचाने। कर्म बंधन का कारण आपका अज्ञान है। इस अज्ञान से मुक्त हो जाना ही आपकी साधना है। यह पहचानना है कि मैं आत्मा हूं और परमात्मा बनने योग्य आत्मा हूं। हम अज्ञानवश बाहर में राग आदि पाप करते हैं। हमें इस अज्ञान से जागने की ही साधना करना है। अज्ञान से जो जाग जाएगा,उसके ज्ञान में सत्य आ जाएगा। यहीं से कर्म बंधन से मुक्ति की शुरुआत होती है। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जब पाप कम होते जाते हैं तो आत्मा से एक-एक करके लेप निकलते जाता हैं। अंत में जाकर आत्मा जिस स्वरूप को पहचानती है,उस स्वरूप के रूप ही हो जाती है। राग आदि चले जाते हैं। पाप कर्म अपने आप चले जाता हैं। आत्मा स्वयं परमात्मा स्वरूप थी,वह परमात्म स्वरूप प्रकट हो जाता है। यही साधना करने के लिए अपने को जिनशासन मिला है।

मुख्य न्यायाधिपति श्री न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने किया 40 घंटे के मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर में आज न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं के लिए आयोजित 40 घंटे के व्यापक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ श्री रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्री संजय के अग्रवाल, न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू, न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, मध्यस्थता केंद्र निगरानी समिति भी गरिमामयी रूप से उपस्थित रहे। मुख्य न्यायाधिपति श्री सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मध्यस्थता विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रभावी माध्यम है। यह न केवल न्यायालयों के बोझ को कम करता है बल्कि पक्षकारों को संतोषजनक परिणाम भी प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में

अब तक 709 मामलों का सफल निपटारा मध्यस्थता के माध्यम से किया जा चुका है, जो इसकी बढ़ती स्वीकार्यता और प्रभावशीलता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि 40 घंटे का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम, मध्यस्थता की प्रक्रिया, नैतिकता और व्यावहारिक पक्षों की गहन समझ प्रदान करेगा। इसमें प्रतिभागियों को वास्तविक मामलों का अध्ययन एवं भूमिका निर्वहन का अभ्यास कराया जाएगा, जिससे उनकी दक्षता में वृद्धि होगी।

उद्घाटन सत्र में न्यायमूर्ति अरविंद कुमार ओझा, न्यायमूर्ति भूपेन्द्र सिंह चौहान, न्यायमूर्ति वर्मेंद्र फड्नीस, अधिवक्ता परिषद मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल भारत, मध्यस्थता प्रशिक्षक श्रीमती गिरीजाकला सिंह एवं श्रीमती नीलम खरे सहित बड़ी संख्या में न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, रजिस्ट्रार जनरल और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पदाधिकारी उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 18 से 22 अगस्त तक आयोजित होगा, जिसमें प्रतिभागियों को मध्यस्थता कौशल का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पहल से छत्तीसगढ़ में वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित देवाशीष और मनतृप्त कौर ने की सौजन्य मुलाकात

मुख्यमंत्री ने दी बधाई एवं शुभकामनाएँ, उज्ज्वल भविष्य की कामना की

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राष्ट्रपति रोवर रेंजर अवार्ड से सम्मानित रोवर देवाशीष मखीजा और रेंजर मनतृप्त कौर संधू ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने दोनों प्रतिभाओं को प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 22 जुलाई को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित विशिष्ट समारोह में छत्तीसगढ़ के रोवर देवाशीष माखीजा, रेंजर मनतृप्त कौर संधू और गाईड कुसुम सिन्हा को अलग-अलग श्रेणियों में सम्मानित किया। श्री देवाशीष ने बताया कि यह गौरवपूर्ण पुरस्कार चार वर्षों के अंतराल में देश भर से चयनित 16 प्रतिभागियों

को प्रदान किया गया । गर्व की बात है कि इस बार छत्तीसगढ़ से तीन प्रतिभागियों ने यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में उन्हें तत्कालीन राज्यपाल श्रीमती अनुसुइया उइके द्वारा राज्यपाल पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत सिंह छाबड़ा के साथ रेंजर मनतृप्त कौर के पिता श्री गुरजीत सिंह संधू भी उपस्थित थे।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी (एआईएनयू) ने बंजारा हिल्स, हैदराबाद में अपने फ्लैगशिप हॉस्पिटल का उद्घाटन किया

रायपुर (समय दर्शन)। यूरो-नेफ्रो केयर पर केंद्रित भारत की सबसे बड़ी सिंगल स्पेशियल्टी चेन, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी (एआईएनयू) ने बंजारा हिल्स हैदराबाद में अपना फ्लैगशिप हॉस्पिटल शुरू किया है। इस फ्लैगशिप हॉस्पिटल में संयुक्त रूप से 150 बेड, 4 ऑपरेटिंग रूम्स, 35 डायलिसिस बेड और कॉम्प्लेक्स यूरोलॉजी एवं नेफ्रोलॉजी सर्जरी के लिए नई जनरेशन की रोबोटिक टेक्नोलॉजी की सुविधा है। इसलिए यह भारत में इस सिंगल स्पेशियल्टी वाले सबसे बड़े कॉर्पोरेट हॉस्पिटल्स में से एक बन गया है।

यूरोलॉजिकल समस्याएं पूरे विश्व में तेजी से बढ़ रही हैं, जिनका भार विकासशील देशों में अधिक है। भारत में भी यूरोलॉजिकल समस्याओं के बढ़ने की गति काफी तेज है। जीवनशैली की बढ़ती समस्याओं, जैसे हाईपरटेंशन, मोटापे, और डायबिटीज़ के कारण यहाँ पर यूरोलॉजिकल समस्याओं और क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) का काफी अधिक जोखिम है क्योंकि यहाँ जीवन की प्रत्याशा भी बढ़ रही है। यूरोलॉजिकल समस्याओं में ब्लैडर, किडनी के रोग एवं यूरोलॉजिकल कैंसर आते हैं, जो महिला, पुरुषों सहित बच्चों को भी हो सकते हैं। भारत में 60 साल से अधिक उम्र के 50 से 60 प्रतिशत पुरुषों को बिनाईन (नॉन-कैंसेरस) प्रोस्टेटिक एनलार्जमेंट (बीपीएच) है। प्रोस्टेट कैंसर के मामले हर साल 2.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं। आज स्थिति यह है कि प्रोस्टेट कैंसर भारत में पुरुषों का दूसरा सबसे बड़ा कैंसर बन गया है। भारत में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की जीवन दर में सुधार हुआ है। इस वर्ग में जन्मजात यूरोजेनिटल विसंगतियों के कारण होने वाली मौतों की संख्या गिरकर 9 प्रतिशत तक पहुँच गई है। भारत में 1.1 मिलियन बच्चे क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित हैं। क्रोनिक किडनी रोग के 69 प्रतिशत मामले किडनी और मूत्रनली के जन्मजात विकारों के कारण होते हैं, जो इसके सबसे आम कारण हैं। भारत में हर साल किडनी फेल होने के लगभग 210,000 मामले दर्ज होते हैं। डॉ. मल्लिकार्जुन, चीफ कंसल्टेंट यूरोलॉजिस्ट एवं चेयरमैन, एआईएनयू ने कहा, ''टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन और प्रगतियाँ यूरोलॉजिकल समस्याओं के मरीजों की देखभाल में सुधार ला रहे हैं। रोबोटिक सर्जरी, एंडोस्कोपिक और लैप्रोस्कोपिक सर्जरी, 3डी इमेजिंग, और आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस में हुई प्रगति से यूरोलॉजी के क्षेत्र का विस्तार हो रहा है तथा सर्जिकल प्रक्रियाएं ज्यादा सटीक व प्रभावशाली बन रही हैं। यह नया एआईएनयू बंजारा हॉस्पिटल यूरो-नेफ्रो केयर में हमारी 12 सालों की विरासत और हमारी क्लिनिकल उत्कृष्टता पेश करता है। यहाँ पर अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से मरीजों को ज्यादा तेज, सुरक्षित व सटीक इलाज प्राप्त हो सकेगा।

उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने ली निगम के अधिकारियों की बैठक

आमजनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें, शिकायतों का त्वरित निराकरण कराएं तथा निगम के विकास कार्य में गति लाएं-उद्योग मंत्री श्री देवांगन

रायपुर (समय दर्शन)। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज नगर पालिक निगम कोरबा के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे आमजनता की समस्याओं के प्रति पूर्ण रूप से संवेदनशील रहते हुए उनकी शिकायतों का शीघ्र निराकरण कराएं तथा जनता की अपेक्षाओं, उनकी मांगों व आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखकर कार्य करें। श्री देवांगन ने कहा कि वार्ड, बस्ती व शहर के विकास कार्यो में तेजी लाएं, निर्माण कार्यो की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें, समयसीमा में कार्यो को पूरा करें एवं जिन कार्यो की निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, उन्हें शीघ्र प्रारंभ कराएं। उन्होने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित कराएं।

उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आज जिला पंचायत कोरबा के सभागार में नगर

पालिक निगम कोरबा के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर वार्ड, बस्ती व शहर के विकास कार्यो की कार्य प्रगति, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन व प्राप्त परिणामों तथा आमजनता की समस्याओं से जुड़े विषयों व उनके निराकरण संबंधी कार्यो की कार्यप्रगति की विस्तार से समीक्षा की। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय व पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन भी उपस्थित थे।

निगम आयुक्त श्री पाण्डेय ने निगम के विकास कार्यो, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति एवं निगम से जुड़े विभिन्न कार्यो की वर्तमान कार्यप्रगति की बिन्दुवार जानकारी बैठक में प्रस्तुत की तथा निगम द्वारा किए जा रहे विकास व निर्माण कार्यो की मदवार व जोनवार जानकारी उद्योग मंत्री श्री देवांगन को दी। बैठक के दौरान मंत्री श्री देवांगन ने जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना मद, 15वे वित्त आयोग मद, प्रभारी मंत्री मद, विधायक मद, मध्यक्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण मद, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण मद, राजस्व व आपदा प्रबंधन मद, निगम मद, एन.सी.ए.पी. मद सहित अन्य विभिन्न मदो के अंतर्गत प्रस्तावित, स्वीकृत व प्रगतिरत निर्माण कार्यो की जोनवार जानकारी लेते हुए कार्यो की वर्तमान प्रगति की सघन रूप से समीक्षा की।

बिना भेदभाव के सभी वार्डो में हो विकास कार्य- बैठक के दौरान उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि हमारा संकल्प है कि निगम के सभी 67 वार्डो में बिना किसी भेदभाव के समान रूप से विकास कार्य कराएं जाएं, वार्डो के नागरिकों की मांग व उनकी आवश्यकता को देखते हुए विकास कार्यो के प्रस्ताव तैयार हों एवं वार्डवासियों की समस्याओं को दूर करने की दिशा में पूर्ण इच्छाशक्ति के साथ कार्य किए जाएं। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि शहर विकास के बड़े कार्यो के साथ-साथ वार्ड व बस्तियों में सी.सी. रोड, नाली, स्ट्रीट लाईट, विद्युत विस्तार, पेयजल व्यवस्था, सार्वजनिक शेड, चबूतरा, सामुदायिक भवन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यो पर भी प्राथमिकता के साथ कार्य किए जाएं। मंत्री श्री देवांगन ने निगम के जोन स्तर पर वार्ड पार्षदों के साथ बैठक आयोजित करने तथा वार्डवार विकास व निर्माण कार्यो की समीक्षा, समस्याओं व शिकायतों के निराकरण की दिशा में कार्य किए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

टी.पी.नगर निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं- उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों से कहा कि कोरबा में नया टी.पी.नगर का निर्माण शीघ्र हो, यह अतिआवश्यक है, अत: नया ट्रांसपोर्ट (टी.पी.) नगर निर्माण की कार्यप्रक्रिया को तेजी के साथ आगे बढ़ाएं ताकि उक्त महत्वपूर्ण कार्य को मूर्त रूप दिया जा सके। उन्होने कहा कि जिला खनिज न्यास मद के अंतर्गत प्रस्तावित तथा 36 करोड़ रूपये की लागत वाली पेयजल विस्तार योजना में रापाखर्रा ढेलवाडीह सहित अन्य सभी दूरस्थ बस्तियों को शामिल किया जाए ताकि इन सभी बस्तियों में पेयजल की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

संपादकीय

एमएबी में बढ़ोतरी यकीनन अप्रिय और अनुचित

आईसीआईसीआई बैंक, भारत का दूसरा सबसे बड़ा निजी बैंक, ने एक अगस्त या उसके बाद खोले जाने वाले नये बचत बैंक खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि की अनिवार्यता पांच गुना बढ़ा कर 50 हजार रुपये कर दी है। आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहकों के लिए 31 जुलाई, 2025 तक बचत बैंक खातों में न्यूनतम मासिक औसत शेष राशि (एमएबी) 10 हजार रुपये थी। बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, अर्ध-शहरी इलाकों में यह सीमा 25 हजार और ग्रामीण इलाकों में 10 हजार रुपये कर दी गई है। अलबत्ता, एक अगस्त से पहले खोले गए बचत खातों पर यह नियम लागू नहीं होगा। वेतन खातों, प्रधानमंत्री जनधन खातों और बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट धारकों को इस नियम से छूट मिलेगी क्योंकि ये सभी जीरो बैलेंस खाते हैं। इसके अलावा, वेतनभोगियों को भी बढ़े शुल्कों से छूट मिलती रहेगी। अरसे से बैंक में न्यूनतम राशि बनाए रखने को लेकर बैंक सेवाभोगियों की शिकायत जब-तब उठती रही है। इस बाबत केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के बैंक सेवा प्रभाग में शिकायतें भी पहुंचीं। कहा गया कि न्यूनतम राशि खाते में बनाए रखने के नाम पर ग्राहकों को बेजा परेशान किया जाता है। मामले ने तूल पकड़ा तो कुछ बैंकों ने इस अनिवार्यता को या तो शिथिल कर दिया है, या बिल्कुल ही खत्म कर दिया। स्टेट बैंक ने सबसे पहले इस दिशा में कदम उठाते हुए 2020 में न्यूनतम राशि की सीमा को खत्म कर दिया था। बाद में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी यह अनिवार्यता समाप्त कर दी। इंडियन बैंक ने भी हाल में 7 जुलाई, 2025 को न्यूनतम राशि रखने की अनिवार्यता को समाप्त किया है। दरअसल, इस बात को समझा जाना जरूरी है कि बैंक ग्राहक-हितैषी सेवा प्रदान करें। ऐसा न हो कि बैंकिंग सेवा ग्राहकों के लिए अप्रिय अनुभव साबित होने लगे। देश में बैंकिंग हैबिट पैदा करने के लिए बैंकों को खासी जद्दोजेहद करनी पड़ी है। लोग बैंकों में पहुंचने लगे हैं, तो यह नहीं होना चाहिए कि उनसे धन निकासी की मासिक सीमा तय करके और न्यूनतम राशि बनाए रखने के नाम पर अप्रिय फैसले थोपे जाएं। जरूरी है कि बैंकिंग को आम जन के लिए खुशनुमा अनुभव बनाया जाए। आईसीआईसीआई की एमएबी में पांच गुना की बढ़ोतरी यकीनन अप्रिय और अनुचित कही जाएगी।

ट्रूडो या ट्रंप का सामना

हरिशंकर व्यास

क्या आपको पता है पीवी नरसिंहराव सरकार के बाद दुनिया के किस देश ने भारतीयों का सर्वाधिक स्वागत किया? उन्हे रोजगार-नागरिकता दी? जवाब है अमेरिका और कनाड़ा। कनाड़ा में 1996 में कोई सवा छह लाख भारतीय थे अब कोई उन्नीस लाख है। ऐसे ही अमेरिका में 2002 से 2023 के बीच तेरह लाख भारतीयों को नागरिकता मिली है। अमेरिका में अब मेक्सिको के बाद सर्वाधिक प्रवासी भारतीय है! डेमोक्रेटिक पार्टी के बिल क्लिंटन हो या रिपब्लिकन बुश या डेमोक्रेटिक ओबामा सभी ने भारतीयों को मौका दिया। यही स्थिति कनाड़ा में ट्रूडो सरकार तक रही। लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की करनी-धरनी से आज क्या स्थिति है? दोनों देशों से भारत दुनिया में बदनाम है। डेड इकॉनोमी, तड़ी पार पुतिन का साथी और सार्वभौम देश में हत्याएं करवाने वाले भारत का वैश्विक नैरेटिव बनाए हुए है। भारत के लंगूर भक्त भले ट्रंप को अब एक्सपोज कर अपने को सूरमा मान रहे है लेकिन दुनिया तो अमेरिका, कनाड़ा को सुनती है। कनाड़ा ने तो भारत के लोगों को वीसा देने में भी कोताही बरती हुई है! रिश्ते ठप्प है और वहा हिंदू कलपते हुए है। पिछले दो सप्ताह से डोनाल्ड ट्रंप और उनके डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ ने जिस तरह भारत को बदनाम किया है उससे लगता है कि ट्रंप या तो नरेंद्र मोदी को झूका कर मानेंगे या भारत को चीन, रूस की और धकेल कर विश्व राजनीति में उसकी तड़ी पार वाली दशा बना देंगे। भारत न इधर का रहेगा और न उधर का। सवाल है भारत-अमेरिका रिश्तों की ऐसी दशा के हालातों का स्पार्किंग बिंदु कौन सा है? बाईस मिनट का आपरेशन सिंदूर। यह इतिहास को अब प्रधानमंत्री मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल की वह देन है जो भारत की भावी पीढ़ियों के लिए लम्हों ने खता की सदियों ने सजा पाई के नाते याद रहेगी। इस आपरेशन की तैयारी करते हुए आगा-पीछा कुछ भी नहीं सोचा गया। इतना भी नहीं कि फंला-फंला सिनेरियों में ट्रंप को कैसे हैंडल करेंगे? पाकिस्तान क्या तैयारी किए बैठा होगा? उसे कही चीन की सेना, तकनीक, हथियारों की बैकअप तो नहीं है? यदि उसने परमाणु मिसाईल भारत की और मोड़ अमेरिका को आगाह किया तब यदि ट्रंप प्रशासन ने दखल दी तो प्रधानमंत्री दफ्तर उसके फोन को उठाएगा या अपनी परमाणु मिसाईले पाकिस्तान की और एक्टीव करेगा ताकि दुनिया को मालूम हो कि हम डरते नहीं। जाहिर है भारत ने डोनाल्ड ट्रंप, जनरल मुनीर, शी जिनपिंग के दिमाग को समझे बिना ही आपरेशन सिंदूर रचा। यह बेसिक समझ भी नहीं रखी कि ट्रंप अंहकारी, पागल है, जनरल मुनीर उन्मादी-धूर्त है और उसके पीछे शैतान चीन है। इतना आगा-पीछा तो सोचना था, ट्रंप को कह देना था कि अमेरिका बिल्कुल दखल न करें। हम अंत तक लड़ेंगे। हमें पाकिस्तान को ठोकना या हैंडल करना आता है। सो अब ट्रंप भारत की वह बदनामी करते हुए है जिससे भारत की भू-राजनीति, विश्व राजनीति, सामरिक-क्षेत्रिय सुरक्षा तथा उसके निर्यात सब खतरे में है। 1995 में उदारीकरण के बाद, भूमंडलीकरण से भारत का जो मान बना था, जो रणनीतिक-आर्थिक रचना बनी थी वह मिट्टी में मिल गई है। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर इसी महिने फिर अमेरिका जा रहे है। ट्रंप के साथ फिर उनकी मुलाकात संभव है। अमेरिका-पाकिस्तान का नया गठजोड शक्ल लेता हुआ है। व्हाइट हाउस के उप प्रमुख स्टाफ और ट्रंप के सबसे करीबि सहयोगियों में से एक, स्टीफन मिलर का यह ताजा कहा गंभीर है कि लोग यह जानकर चौंक जाएंगे कि रूस से तेल खरीदने के मामले में भारत लगभग चीन के बराबर है। यह एक चौंकाने वाला तथ्य है। इस तरह बोलना योरोपीय संघ, ब्रिटेन, जापान, आस्ट्रेलिया जैसे पश्चिमी देशों की उस जमात में भारत को खलनायक बनाना है जो यूक्रेन पर रूस की आक्रामकता से सुलगे हुए है। यदि रूस से धंधे के हल्ले में ट्रंप ने सचमुच भारत पर 25 प्रतिशत टॅरिफ बढ़ा दिया तो दुनिया में इसका मनोवैज्ञानिक असर होगा। तब क्वाड़ एलायंस हो या अमेरिका की जगह ब्रिटेन, योरोपीय संघ को निर्यात बढ़ाना सब भारत के लिए मुश्किल होगा। यह भूल जाए कि पुतिन लड़ाई बंद कर या योरोप से माफी मांग तथा ट्रंप की पैरवी से वापिस जी-7 समूह के माननीय सदस्य बन जाएगें।

आरक्षण में क्रीमी लेयर पर राजनीतिक दलों की चुप्पी

योगेंद्र योगी

देश में आरक्षण एक ऐसा मुद्दा है, जिसे हर राजनीतिक दल लपकने को तैयार रहता है। राजनीतिक दलों को लगता है कि बहुआयामी विकास के मुद्दे के बजाए आरक्षण की पैरवी करके सत्ता पाना ज्यादा आसान है। इसके लिए नेता किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार रहते हैं। यहां तक कि अदालतों के निर्णयों को भी चुनौती देने में पीछे नहीं रहते। नेताओं की दिलचस्पी आरक्षण को बढ़ाने में रहती है। आरक्षण की जरूरत है या नहीं, इस पर चर्चा तक करने से कतराते हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग की आय सीमा से संबंधित को संसदीय समिति की आठवीं रिपोर्ट में आय सीमा को बढ़ाने की सिफारिश की है।

समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि आय सीमा को 6.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये प्रति वर्ष करने संबंधी संशोधन 2017 में किया गया था। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के नियमों के अनुसार, इस सीमा की समीक्षा हर तीन साल पर या जरूरत पडने पर उससे पहले भी की जानी चाहिए। भाजपा सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति ने कहा कि वर्तमान सीमा कम है, जिसके दायरे में ओबीसी का केवल एक छोटा सा हिस्सा आता है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति और निम्न आय वर्ग की बढ़ती आय के कारण इसमें वृद्धि करना समय की मांग है।

संभव है कि संसद में इस समिति की सिफारिश मानते हुए आय सीमा बढ़ा दी जाए। इस पर शायद ही कोई राजनीतिक दल ऐतराज करे। राजनीतिक दलों में इतना साहस ही नहीं है कि आरक्षण की सीमा तय करने और उसके प्रभावों पर किसी तरह की चर्चा करें। इसके विपरीत आरक्षण का दायरा बढ़ाने के लिए राजनीतिक दलों में प्रतिस्पर्धा रहती है। यही वजह है कि जब-जब आरक्षण में क्रीमी की पहचान कर अलग करने की बात की जाती है, तब राजनीतिक दलों को काठ मार जाता है। क्रीमी लेयर के मुद्दे पर चर्चा से सभी राजनीतिक दल भयभीत रहते हैं कि कहीं उनका वोट खिसक नहीं जाए। आरक्षित वर्ग के हित में होने के बावजूद कोई भी राजनीतिक दल क्रीमी लेयर को आरक्षण के दायरे से बाहर करना तो दूर, बल्कि इस पर सार्वजनिक तौर पर बहस तक करने को तैयार नहीं है। जबकि यदि क्रीमी लेयर की पहचान कर उसे आरक्षण से बाहर कर दिया जाए तो आरक्षण से वंचित उसी वर्ग के लोगों को इसका फायदा मिल सकेगा।

संसदीय समिति की जो रिपोर्ट संसद में रखी गई है, उसमें अन्य पिछड़ा वर्ग की आय सीमा बढ़ाने की सिफारिश तो गई है किन्तु क्रीमी लेयर का जिक्र तक नहीं किया गया है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पुनर्विचार निर्णय में सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2024 में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिसमें राज्यों को आरक्षण के संबंध में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) जैसे आरक्षित श्रेणी समूहों को उप-वर्गीकृत करने का अधिकार दिया गया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि एसटी-एसटी क्रीमीलेयर को लेकर रिजर्वेशन में कैटेगरी बनाई जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय में कहा गया कि क्रीमी लेयर सिद्धांत, जो पहले केवल अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) पर लागू होता था (जैसा कि इंद्रा साहनी मामले में उजागर किया गया था) अब एससी और एसटी पर भी लागू होना चाहिए। इसका मतलब है कि राज्यों को एससी और एसटी के भीतर क्रीमी लेयर की पहचान करनी चाहिए। उसे आरक्षण के लाभ से बाहर करना चाहिए। अदालत ने कहा कि आरक्षण केवल पहली पीढ़ी तक ही सीमित होना चाहिए। यदि परिवार में किसी पीढ़ी ने आरक्षण का लाभ ले लिया है और उच्च दर्जा प्राप्त कर लिया है, तो आरक्षण का लाभ तार्किक रूप से दूसरी पीढ़ी को उपलब्ध नहीं होगा। इस निर्णय में विभिन्न राज्यों के कानूनों को बरकरार रखा गया, जिन्हें पहले रद्द कर दिया गया था, जैसे कि पंजाब और तमिलनाडु के कानून, जो राज्यों को एससी और एसटी समूहों के भीतर उप-श्रेणियां बनाने की अनुमति देते हैं। अर्थात राज्य मौजूदा आरक्षण के दायरे में ही अति पिछड़ों की पहचान कर उसे अलग से आरक्षण दे सकते हैं। इस पर भी ज्यादातर राज्य खामोश हैं। उन्हें लगता है इससे जिस वर्ग का आरक्षण कम हुआ है, वह नाराज नहीं हो जाएगा और वोट नहीं देगा। ऐसा करने से कहीं उस वर्ग का वोट बैंक हाथ से नहीं खिसक जाए, यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को एक साल होने के बाद भी ज्यादातर राज्यों ने आरक्षित दायरे में अति पिछड़ों की पहचान कर उन्हें अलग से आरक्षण देने की कवायद तक नहीं की। क्रीमी लेयर को आरक्षण के दायरे से बाहर करने के सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय पर देश के किसी भी राजनीतिक दल और सरकारों ने चर्चा तक नहीं की। जबकि कोर्ट का साफकहना था कि क्रीमी लेयर को हटाने से उसी वर्ग के वंचित लोगों को आरक्षण का फायदा मिल सकेगा। राजनीतिक दलों ने पहले कभी ओबीसी के क्रीमी लेयर का जिक्र तक नहीं किया, सुप्रीम कोर्ट ने इसमें एससी-एसटी को भी शामिल कर लिया। यह मुद्दा नेताओं के लिए अत्यधिक ज्वलनशील हो गया। क्रीमी लेयर को हटाना तो दूर रहा कोई इसके दायरे पर बहस तक करने को तैयार नहीं है। इसके विपरीत राजनीतिक दल आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को हटाने पर तत्पर हैं।

नेताओं को लगता है कि आरक्षण की सीमा में नए वर्गों को शामिल करने से उनका वोट बैंक मजबूत होगा। यह अलग बात है कि आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को हटाने के उनके मंसूबों को सुप्रीम कोर्ट ने सफल नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने 30 अप्रैल को यह घोषणा की थी कि आगामी जनगणना के साथ-साथ जाति गणना भी की जाएगी। इसके तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत में कोटा पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने की अपनी मांग दोहराई। राहुल गांधी ने कहा, रिजर्वेशन पर 50 प्रतिशत की सीमा हमारे देश की प्रगति और पिछड़ी जातियों, दलितों और आदिवासियों की प्रगति में बाधा बन रही है और हम चाहते हैं कि इस बाधा को समाप्त किया जाए।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी 50 प्रतिशत कोटा सीमा का हवाला देते हुए आरक्षण के प्रयासों को खारिज कर चुका है। आरक्षण का दायरा बढ़ाने की पैरवी करने वाले राहुल गांधी ने एक बार भी क्रीमी लेयर को हटाने की बात नहीं कही। कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों को लगता है कि आरक्षण का दायरा बढ़ा कर वोट बैंक बढ़ाना ज्यादा आसान है। इसके विपरीत देश में विकास, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर चुनाव जीतना आसान नहीं हैं। यही वजह है राजनीतिक दल आरक्षण का कई पीढियों से लगातार फायदा ले चुके वर्ग को भी आरक्षण के दायरे से बाहर करने से कतराते रहे हैं। बेशक इससे दूसरे आरक्षित वर्ग का हिस्सा हड़पा जाता रहे।

भोजन और बैठक से क्या हासिल हुआ?

अजीत द्विवेदी

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं की राहुल गांधी के नए सरकारी आवास पर बैठक हुई और सबने जरूरी राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा के बाद एक साथ भोजन भी किया। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'इंडिया' ब्लॉक के नेताओं को भोजन कराया। लेकिन इस भोजन और बैठक से क्या हासिल हुआ? क्या कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने इस गठबंधन के अस्तित्व को लेकर जो सवाल उठाए थे उनका जवाब मिल गया? क्या यह स्थापित हो गया कि विपक्षी गठबंधन उसी स्वरूप में बना हुआ है, जिस स्वरूप में यह अपने गठन के समय था और आज भी इसका उद्देश्य वही है, जो 2023 के जून महीने में पटना के एक, अणे मार्ग में तय हुआ था? ये सवाल इसलिए है क्योंकि पिछले छह महीने में कई नेता 'इंडिया' ब्लॉक के अस्तित्व पर सवाल उठा चुके हैं और कह चुके हैं कि इसका गठन लोकसभा चुनाव 2024 के लिए किया गया था। यानी लोकसभा चुनाव 2024 खत्म तो इसका अस्तित्व भी खत्म! संसद सत्र में जो एकजुटता दिख रही है वह भी सिर्फ मानसून सत्र के लिए है और उसे दीर्घकालिक एकजुटता नहीं समझना चाहिए। वास्तविकता यह है कि विपक्षी गठबंधन यानी 'इंडिया' ब्लॉक का अब वैसे ही अस्तित्व नहीं है, जैसे यूपीए का नहीं रहा। ध्यान रहे 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद यूपीए का गठन हुआ था। मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे और सोनिया गांधी यूपीए की चेयरपर्सन बनी थीं। यह गठबंधन 2014 के लोकसभा चुनाव तक बना रहा। लेकिन 2014 का चुनाव हारने के बाद यह समाप्त हो गया। सोचें, कितनी हैरानी की बात है कि 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय बना एनडीए आज तक चल रहा है। कई बार चुनाव हारने के बाद भी एनडीए बना रहा लेकिन एक बार चुनाव हारते ही यूपीए समाप्त हो गया। वैसे ही 2024 के चुनाव से पहले 'इंडिया' का गठन हुआ और चुनाव नतीजों के बाद धीरे धीरे इसका अस्तित्व समाप्त हो गया। अभी निकट भविष्य में इसके रिवाइवल की संभावना नहीं दिख रही है। फिर कभी विपक्षी गठबंधन फिर बना तो हो सकता है कि उसका नाम कुछ और हो। वैसे भी राज्यों में 'इंडिया' ब्लॉक नाम से कोई गठबंधन नहीं है। महाराष्ट्र में भाजपा विरोधी गठबंधन को 'महाविकास अघाड़ी' कहते हैं, जिसका नेतृत्व किस पार्टी के हाथ में है यह किसी को पता नहीं है। बिहार में इसे 'महागठबंधन' कहते हैं, जिसका नेतृत्व राजद के हाथ में है। बिहार के पड़ोसी झारखंड में भी इसे 'महागठबंधन' कहते हैं, जिसका नेतृत्व झारखंड मुक्ति मोर्चा के हाथ में है। तमिलनाडु में इसका नाम 'सेकुलर प्रोग्रेसिव एलायंस' है, जिसकी कमान एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके संभालती है। केरल में भारतीय जनता पार्टी एक बड़ी ताकत नहीं है। वहां कांग्रेस के नेतृत्व में एक गठबंधन है, जिसका नाम यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट यानी यूडीएफ है। इसकी लड़ाई सीपीएम के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट से होती है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी साथ मिल कर 'इंडिया' ब्लॉक के बैनर तले लोकसभा का चुनाव लड़े थे। विधानसभा चुनाव में इनका गठबंधन कैसे बनता है यह देखने वाली बात होगी। यह बहुत दिलचस्प बात है कि केरल को छोड़ कर जिस प्रदेश में कांग्रेस मजबूत है वहां कोई प्रादेशिक गठबंधन नहीं है।

मतों की हेराफेरी के जनक और उनके परनाती की सनक

मनोज ज्वाला

कांग्रेस के नेतागण जब चुनाव हार जाते हैं, या हारने की सम्भावना देख लेते हैं, तब वे ईवीएम में गडबडी का राग अलापने लगते हैं। हॉलाकि चुनावी मतदान के लिए ईवीएम का इस्तेमाल ही हो रहा है- पहले की तत्सम्बन्धी व्यवस्था में होती रही गडबडियों को रोकने के लिए। 'ईवीएम' की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते रहने वाले कांग्रेसी नेतागण अब इन दिनों मतदाता-सूची में हेराफेरी का एक नया शोर मचा रहे हैं। वे कहीं यह कह रहे हैं कि चुनाव आयोग द्वारा निर्मित सूची में फर्जी मतदाताओं के नाम दर्ज हैं, तो कहीं यह कि भारतीय जनता पार्टी मतों की चोरी कर के चुनावी जीत हासिल की है और तब सत्तासीन हुई है। वे कर्नाटक में मतदाता-सूची के शुद्धिकरण की मांग कर रहे हैं, तो बिहार में आसन्न चुनाव से पहले हो रहे उक्त शुद्धिकरण का विरोध करते रहे हैं और अब जब चुनाव आयोग ने वहां के 65 लाख फर्जी मतदाओं के नामों को सूची से खारिज कर दिया है, तब वे उन्हें वापस दर्ज करने-कराने के लिए पटना की सड़कों से ले कर दिल्ली की संसद तक हंगामा बरपा रहे हैं।

ऐसे तमाम कांग्रेसी नेताओं को यह जान लेना चाहिए कि चुनावी मतों की हेरा-फेरी और प्रशासनिक धाक से मतों की चोरी के व्याकरण का आविष्कार कांग्रेस के द्वारा ही किया गया है, जिसके जनक हमारे ऐतिहासिक चाचाजी ही हैं। लोकसभा के प्रथम चुनाव (1952 में) ही इस आविष्कार का सफल परीक्षण कर हमारे चाचाजी ने कांग्रेस को चुनाव जीतने का यह मंत्र दे दिया था- भविष्य में इसका प्रयोग करते रहने के लिए। जी हां, हमारे चाचाजी, अर्थात वर्तमान कांग्रेस के सबसे नामदार युवा नेता के 'परनाना' जी! जिन्हें सारी दुनिया जवाहरलाल नेहरु के नाम से जानती है। आज उन्हीं का 'परनाती' उपरोक्त हंगामे का नेतृत्व कर रहा है। यह दावा मैं ऐसे ही नहीं कर रहा हूं, बल्कि उन्हीं चाचाजी के जमाने के उस प्रशासनिक अधिकारी की पुस्तक से कर रहा हूं जो उस चुनावी हेरा-फेरी में एक माध्यम बने हुए थे। उन दिनों उतर प्रदेश की सरकार के सूचना-निदेशक रहे शम्भूनाथ टण्डन ने अपने एक लेख में यह खुलासा करते हुए लिखा है कि चुनाव में जीत-हार की हेरा-फेरी के लिए मत-पत्रों की अदली-बदली एवं 'बूथ कैप्चरिंग' जैसे हथकण्डों के मास्टरमाइण्ड थे- जवाहरलाल नेहरु। उनके लेख का पूरा शीर्षक है- जब विशन सेठ ने मौलाना आजाद को धूल चटाई थी, भारत के इतिहास की एक अनजान घटना।'' अखिल भारतीय खत्री महासभा द्वारा हिन्दू महासभाई नेता केशनलाल सेठ के सम्मान में प्रकाशित स्मृति ग्रंथ में संलित है उनका यह लेख।

बकौल शम्भूनाथ टण्डन- वर्ष 1952 में हुए प्रथम आम चुनाव में कांग्रेस के एक दर्जन दिग्गज प्रत्याशी चुनाव हार गये थे, जिन्हें नेहरु ने प्रशासन पर दबाव दे कर जबरिया जितवाया था। उनमें एक तो हमारे वो चाचा जी स्वयं भी थे। दिग्गज कांग्रेसियों की हार का कारण यह था कि देश-विभाजन में कांग्रेस की भूमिका और उससे उत्त्पन्न हालातों से देश भर में कांग्रेस-नेतृत्व के विरुद्ध जनाक्रोश उबल रहा था। तब हिन्दू महासभा देश-विभाजन के लिए नेहरु व कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए देश भर में उनके विरुद्ध वातावरण बना रखी थी और उस लोकसभा-चुनाव में प्राय: हर दिग्गज कांग्रेसी के खिलाफ अपने दमदार प्रत्याशी खडा किये हुए थी। उसने फूलपुर क्षेत्र में जवाहर लाल नेहरु के खिलाफ जाने-माने प्रखर संत प्रभुदत्त ब्रह्मचारी को खडा किया था, तो रामपुर में मौलाना आजाद के विरुद्ध वहां के लोकप्रिय नेता विशनचन्द सेठ को। कांग्रेस के बडे नेताओं को सर्वत्र कडी चुनौती मिल रही थी। किन्तु अन्तरीम सरकार की कमान चूँकि नेहरू के हाथ में ही थी, इस कारण चाचाजी ने कांग्रेस-प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए शासन-तंत्र का जम कर दुरुपयोग किया। मतदान के दौरान शासन-तंत्र ने लोकतंत्र के लिए जो किया सो तो किया ही; असली खेल तो हमारे चाचाजी मतगणना के दिन खेले। शासनतंत्र को यह पाठ पहले ही पढा दिया गया था कि लोकतंत्र की सलामती के लिए नेहरु को हर हाल में सदा ही अजेय बनाये रखना है; सो मतों की गिनती के दौरान प्रभुदत्त ब्रह्मचारी की जीत जब सुनिश्चित सी दिखने लगी, तब प्रशासनिक अधिकारियों ने अन्तिम चक्र में उनकी पेटी से 2000 मतपत्रों को निकाल कर नेहरुजी की पेटी में मिला कर गिनती पूरी कर दी। इस प्रकार हमारे चाचाजी बहुमत से चुनाव जीत गए।

मालूम हो कि उन दिनों हर प्रत्याशी के लिए अलग-अलग मतपेटियां ही हुआ करती थीं, प्रत्याशी या दल के नाम किसी चिन्ह पर मुहर नहीं लगाई जाती थी, बल्कि मतपत्र को अपने पसंदिदा प्रत्याशी की पेटी में डाल देने का विधान था। इस कारण मतपत्रों की हेरा-फेरी बहुत आसानी से हो सकती थी। अपने लेख में टण्डन साहब लिखते हैं- सेठ विशनचन्द्र के पक्ष में भारी मतदान हुआ था और मतगणना के पश्चात् प्रशासन ने बाक़ायदा लाउडस्पीकरों से सेठ विशनचन्द्र को 10000 वोटों से विजयी घोषित कर दिया था। उस जीत की खुशी में हिन्दू महासभा के लोग विशाल विजय-जुलूस भी निकाल चुके थे। किन्तु जैसे ही यह समाचार वायरलैस के द्वारा लखनऊ होते हुए दिल्ली पहुँचा कि मौलाना अबुल आज़ाद चुनाव हार गए, सुनते ही चाचाजी तिलमिला उठे। उन्होंने तुरन्त उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री पं. गोविन्द वल्लभ पन्त को चेतावनी दे डाली कि मैं मौलाना की हार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकता, और अगर मौलाना को आप जिता नहीं सकते, तो शाम तक मुख्यमंत्री-पद से इस्तीफा दे दीजिए। फिर क्या था ! पंतजी ने आनन फानन में मुझे (सूचना निदेशक-शम्भूनाथ टण्डन को) बुलाया और रामपुर के जिलाधिकारी से सम्पर्क कर उसे किसी भी कीमत पर मौलाना आजाद को जिताने का आदेश देने को कहा । बकौल टण्डन, उन्होंने पंतजी से जब यह बताया कि ऐसा करने से देश में दंगे भी भड़क सकते हैं, तो पन्तजी ने कहा कि ' 'देश जाये भाड़ में, नेहरू जी का हुक़्म है''। बकौल ट्ण्डन- फिर तो मौलाना को जिताने के लिए रामपुर के जिलाधिकरी निर्देशित कर दिए गए। तदोपरांत रामपुर का कोतवाल जीत की बधाइयां स्वीकार कर रहे सेठ विशनचन्द्र के पास गया और कहा कि आपको डीएम साहब बुला रहे हैं। सेठ जी जब जिलाधिकारी से मिले तब उसने कहा कि मतगणना अभी-अभी दुबारा होने वाली है। हिन्दू महासभा के उस उमीदवार ने इसका कड़ा विरोध किया और कहा कि मेरे सभी कार्यकर्ता विजय-जुलूस निकाले हुए हैं, तो ऐसे में आप मेरे मतगणना-एजेंट के बिना दुबारा मतगणना कैसे कर सकते हैं? लेकिन उनकी एक नहीं सुनी गई। जिलाधिकारी ने सेठ जी के सामने ही उनकी मत-पेटी से हजारों मत-पत्र निकाल कर मौलाना की मत-पेटी में

मिलाते हुए साफ़-साफ़कह दिया कि सेठ जी! हम अपनी नौकरी बचाने के लिए आपकी बलि ले रहे हैं, क्योंकि यह नेहरूजी का आदेश है। असहाय बने सेठ जी देखते रह गए और जिलाधिकारी ने पूर्व घोषित चुनाव-परिणाम को रद्द करते हुए पुनर्घोषित चुनाव-परिणाम के आधार पर हिन्दू महासभा के उस प्रत्याशी को चुनाव हरा कर कांग्रेस-प्रत्याशी मौलाना अब्दुल कलाम को विजयी घोषित कर दिया।

तो इस तरह से हमारे चाचाजी अर्थात वर्तमान कांग्रेस के सदाबहार युवा नेता के परनाना जी ने कांग्रेस को चुनावी जीत-हार कामंत्र प्रदान करते हुए लोकतंत्र की स्थापना का श्रेय भी बटोर लिया। बाद में विशनचन्द सेठ सन 1957 व सन 1962 में दो-दो बार हिन्दू महासभा से निर्वाचित हो कर सांसद बने, किन्तु प्रथम चुनाव में तो उनका सारा श्रम नेहरु-कांग्रेस से लोकतंत्र का पाठ पढने में ही व्यर्थ हो गया। अब उन्हीं नेहरु की विरासत को ढो रही वर्तमान कांग्रेस का कथित युवा नेता चुनाव की 'ईवीएम-प्रणाली' में गडबडी और 'मतदाता-सूची में हेराफेरी' का शोर मचा रहा है, तो यह उसकी सनक मात्र है, जिसे 'खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे' के सिवाय और कुछ नहीं कहा जा सकता।

घर के मंदिर में नहीं रखनी चाहिए ये मूर्तियां

जानें वास्तु के सही नियम

घर में पूजा घर का विशेष महत्व होता है। यह एक ऐसा स्थान होता है, जहां ऊर्जा का संचार सबसे शुद्ध और सकारात्मक माना जाता है। इसलिए इसे हमेशा साफ-सुथरा और नियमों के अनुसार रखना जरूरी है। वास्तु शास्त्र में पूजा घर से जुड़े कुछ नियम बताए गए हैं। इसमें यह भी बताया गया है कि घर के मंदिर में कौन सी मूर्तियां या तस्वीर रखना शुभ या अशुभ होता है। आइए जानते हैं कि पूजा घर में किस प्रकार की मूर्तियों को रखने से बचना चाहिए और किन्हें रखना

पूजा घर से जुड़े वास्तु नियम
पूजा स्थल की पवित्रता बनाए रखना बहुत जरूरी है। यहां हर रोज साफ-सफाई करनी चाहिए और गंदगी या अव्यवस्था से बचना चाहिए। घर के मंदिर में देवी-देवताओं की मूर्तियों को रखने के कुछ विशेष नियम होते हैं। मूर्तियों की संख्या सीमित होनी चाहिए और उन्हें साफ-सुथरे स्थान पर रखा जाना चाहिए।

राधा-कृष्ण की मूर्ति

वास्तु के अनुसार पूजा घर में राधा-कृष्ण की मूर्ति साथ में रखना बहुत शुभ माना जाता है। यह प्रेम और सौहार्द का प्रतीक होता है।

विष्णु और शिवलिंग साथ में न रखें
भगवान विष्णु और शिवलिंग को एक ही स्थान पर नहीं रखना चाहिए क्योंकि दोनों की पूजा विधियां अलग होती हैं।

त्रिदेव की मूर्ति एक साथ न रखें
ब्रह्मा, विष्णु और महेश, इन तीनों की प्रतिमाएं एक साथ रखने से बचना चाहिए। यह वास्तु नियमों के अनुसार उचित नहीं माना जाता।

हनुमान जी की मूर्ति बेडरूम में न रखें
विवाहित जोड़ों को अपने शयनकक्ष में हनुमान जी की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि वे ब्रह्मचारी हैं और उनके स्थान के लिए अलग पूजा क्षेत्र होना चाहिए।

मृतकों की तस्वीरें न रखें
पूजा घर में दिवंगत परिजनों की तस्वीरें या मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। इससे पूजा स्थान की शुद्धता प्रभावित हो सकती है।

उग्र देवताओं की छवियां
मां काली, शनि देव, राहु और केतु जैसे उग्र स्वभाव वाले देवताओं की तस्वीरें या मूर्तियां घर के मंदिर में नहीं रखनी चाहिए। इनकी पूजा विशेष विधियों से अलग स्थान पर की जाती है।

क्रोधित मुद्रा की मूर्तियां न रखें
पूजा घर में सिर्फ शांत, प्रसन्न और आशीर्वाद देती हुई मुद्रा में देवताओं की मूर्तियां रखें। संहार रूप या क्रोधित मुद्रा वाली मूर्तियां रखने से बचना चाहिए।

चाय में कद्दूकस करके डालें अदरक

अदरक वाली चाय भला किसे पसंद नहीं होती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय में अदरक डालने का सही तरीका क्या है? अगर नहीं तो आइए हम आपको बताते हैं। हमारे देश में चाय सिर्फ एक पेय पदार्थ नहीं बल्कि इमोशन है। घर में चाहे कोई मेहमान आ जाए या दोस्तों के साथ गपशप करनी हो, मूड फ्रेश करना हो या नींद भगानी हो एक कप चाय मिल जाए तो पूरा दिन बन जाता है और सोने पर सुहागा तब होता है जब यह चाय अदरक वाली हो।

अदरक वाली चाय पीकर सिर दर्द से लेकर मूड फ्रेश हो जाता है। अक्सर देखा जाता है कि जो लोग अदरक वाली चाय बनाते हैं कई बार वह फट जाती है या फिर उसमें अदरक का स्वाद ऊपर नीचे हो जाता है, जिससे चाय अच्छी नहीं लगती है। ऐसे में हम आपको बताते हैं चाय में अदरक कैसे डालनी चाहिए-

अगर आप चाय में कद्दूकस करके अदरक डालते हैं तो इससे अदरक का रस डायरेक्ट चाय में चला जाता है और इससे चाय बहुत अच्छी और कड़क बनती है। इसलिए हमेशा चाय में अदरक किसकर ही डालें।

कूटकर अदरक डालें
जब आप किसी ओखली या बर्तन में अदरक को कूटकर चाय में मिलाते हैं तो अदरक का रस उस बर्तन या ओखली में ही रह जाता है, जिससे चाय में कम मात्रा में अदरक का रस जाता है और चाय का स्वाद इतना बेहतरीन नहीं आता है।

चाय में कब डालें अदरक
अक्सर लोगों का सवाल है कि चाय बनाते समय दूध में अदरक डालनी चाहिए या पानी में डालकर उबालना चाहिए? पानी में सबसे पहले चाय पत्ती और चीनी डालकर उबाल लें, इसके बाद अदरक डालकर एक उबाल आने दें और फिर दूध डालकर इसे अच्छी तरह से पका लें।

हिंदू धर्म में पेड़-पौधों की पूजा की जाती है। खासतौर पर पूजा-पाठ में आम की पेड़ की लकड़ियों और पत्तियों का इस्तेमाल बेहद शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र में सभी दुख-दुविधाओं से छुटकारा पाने और सुख सौभाग्य के लिए आम के पत्तियों से जुड़े खास उपाय बताए गए हैं। इन उपायों से व्यक्ति के जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और जीवन में धन-संपन्नता और खुशहाली आती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

आम के पत्तों के इन उपायों से बढ़ेगी सुख-समृद्धि, दूर होंगी हर बाधाएं

आर्थिक तंगी दूर करने के उपाय:
रुका हुआ धन वापस पाने या धन की कमी को दूर करने के लिए आम के 11 पत्तियों की डाली को 11 बार कच्चे सूत से लपेटकर शहद में डुबोकर शिवलिंग के अशोक सुंदरी की जगह पर अर्पित करें। ध्यान रखें कि शहद से डुबे हुए भाग का मुख शिवलिंग की ओर हो। मान्यता है कि इन उपायों को करने से धन की तंगी दूर होती है और घर में धन-संपन्नता बढ़ती है।

बुरी नजर होगी दूर:
घर के मुख्यद्वार पर आम के पत्तों का तोरण लगाने से घर की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। परिवार के किसी भी सदस्य को बुरी नजर नहीं लगती है। घर की पॉजिटिविटी से हमेशा मांगलिक कार्यों के योग बनते हैं और घर में सुख-समृद्धि के मार्ग खुलते हैं।

धन लाभ के उपाय:
वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूजा के दौरान आम के पत्तों पर बारिश का जल छिड़कने से धन की तंगी दूर होती है और धन लाभ के कई स्त्रोत बनते हैं।

गणेश जी को चढ़ाए आम का पत्ता:
वास्तु के अनुसार, शुभ कार्यों में गणेश जी को आम का पत्ता अर्पित करने से व्यक्ति के जीवन में सुख-सुविधाओं की कभी कमी नहीं रहती है और व्यक्ति के घर में धन-समृद्धि आती है। पूजा के दौरान घर के मंदिर आम के पत्तों से सजाना भी मंगलकारी माना जाता है।

करियर में सफलता:
मान्यता है करियर में आ रही बाधाओं से निपटने के लिए आम के पेड़ की जड़ों पर जल अर्पित करना चाहिए और आम के पेड़ को प्रणाम करें। ऐसी करने मात्र से करियर से जुड़ी दिक्कतें दूर होती हैं और सफलता के मार्ग खुलते हैं।

सेहत का खजाना है काली किशमिश

ड्राई फ्रूट्स में शुमार की जाने वाली मीठी किशमिश तो आपने खूब खाई होगी। लेकिन, क्या आपने कभी काली किशमिश का स्वाद चखा है। आयुर्वेद में काली किशमिश को स्वास्थ्य के लिए रामबाण कहा गया है। इसे खाने से शरीर को बहुत सारे फायदे मिलते हैं। खासकर अगर महिलाओं के स्वास्थ्य की बात करें तो काली किशमिश को खाने के साथ-साथ इसका पानी पीने से मासिक धर्म की अनियमितता और हार्मोन का असंतुल भी ठीक हो सकते हैं। जानिए औरतों के लिए काली किशमिश और उसका पानी कितना फायदेमंद है। पीली किशमिश की तरह काली किशमिश भी शरीर में खून की कमी पूरी करती है। महिलाएं अक्सर एनीमिया का शिकार होती हैं और ऐसे में काली किशमिश एनीमिया में काफी आराम देती है। काली किशमिश में ढेर सारा आयरन होता है। काली किशमिश में प्रोटीन, आयरन और ढेर सारा फाइबर होता है। इसके अलावा काली किशमिश में पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सिडेंट्स भी शरीर को कई तरह की बीमारियों से सुरक्षित रखते हैं।

- काली किशमिश आयरन से भरपूर होने के कारण महिलाओं के शरीर में ब्लड की कमी पूरी करती है। खासकर पीरियड्स (Periods) और डिलीवरी को बाद इसका सेवन जरूर करना चाहिए। इससे शरीर में ढेर सारा आयरन जाता है और खून की कमी पूरी होती है।
- पीरियड्स के दौरान अक्सर महिलाओं के शरीर में हॉर्मोनल इम्बैलेंस हो जाता है। कुछ ऐसा ही मैनोपॉज के दौरान होता है। ऐसे में अगर रोज काली किशमिश का पानी पिया जाए तो शरीर में हार्मोन का असंतुलन सही हो जाता है।
- बॉडी को सही तरीके से डिटॉक्स करने के लिए काली किशमिश बहुत कारगर मानी जाती है।
- काली किशमिश खूबसूरती को बरकरार रखने में काफी कारगर है। दरअसल इसका पानी रोज पीने से त्वचा पर प्राकृतिक ग्लो आता है और चेहरा चमकने लगता है।
- काली किशमिश में पाया जाने वाला आयरन महिलाओं के बालों को नैचुरली हेल्दी और शाइनी बनाए रखने में मदद करता है। अगर इसका पानी रोज पिया जाए तो बाल उम्र से पहले सफेद होने की परेशानी भी कम होने लगती है।

नहाने के बाद जरूर करें ये 4 काम

जीवन में होगा धन लाभ

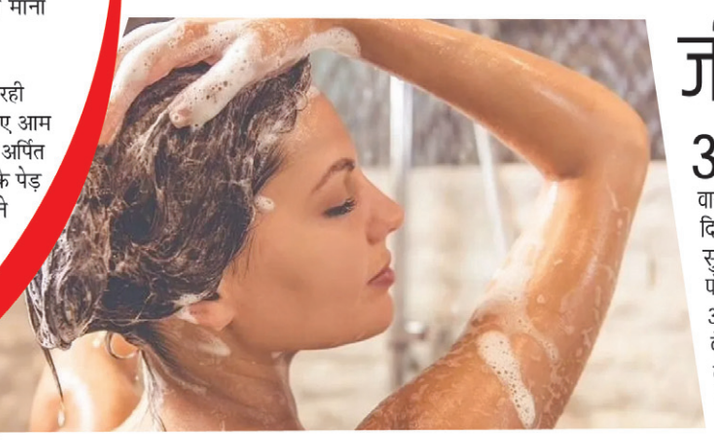

आर्थिक रूप से समृद्ध रहने के लिए आपको घर में वास्तु का विशेष ध्यान रखना चाहिए। अघर आपके घर में वास्तु के हिसाब से चीजें नहीं हैं, तो इसकी वजह से कई दिक्कतें आ सकती हैं। ऐसा माना जाता है कि घर पर सुबह के समय वास्तु के हिसाब से काम करने से पॉजिटिव एनर्जी आती हैं और इससे आपको आर्थिक लाभ भी होता है। अगर आप सुबह के समय घर पर वास्तु के हिसाब से कुछ काम नहीं करते हैं, तो इससे कई नुकसान हो सकते हैं।

अगर आप अपने जीवन से नेगेटिव एनर्जी को खत्म करना चाहते हैं और आर्थिक रूप से खुद को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो सुबह नहाने के बाद घर पर ये काम जरूर करें। ऐसा करने से आपको धन लाभ होता है और जीवन में शांति बनी रहती है। घर पर नहाने के बाद वास्तु के हिसाब से काम करने से आपको कई फायदे मिलते हैं। अगर आप नहाने के बाद वास्तु के हिसाब से काम करते हैं, तो इससे आपके जीवन में धनलाभ होता है और पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है। सुबह नहाने के बाद हिंदू धर्म के लोग अपने आराध्य भगवान की पूजा जरूर करते हैं। अगर आप सुबह स्नान करने के बाद ये काम करते हैं, तो आपको धन लाभ होगा और जीवन में शांति बनी रहेगी-

- सुबह स्नान करने के बाद घर में गंगाजल से छिड़काव करना बहुत शुभ माना जाता है। सुबह स्नान करने के बाद घर में गंगाजल का छिड़काव करने से घर में सुख समृद्धि बनी रहती है।
- स्नान के बाद घर के मुख्य द्वार पर गंगाजल का छिड़काव करने से आर्थिक हानि नहीं होती है और सकारात्मक एनर्जी का प्रवाह होता है। डस्नान करने के बाद घर में हल्दी का छिड़काव करने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और शांति बनी रहती है। अगर आप घर में सुख और समृद्धि चाहते हैं, तो नहाने के बाद घर के मुख्य द्वार पर हल्दी के पानी का छिड़काव करना चाहिए।
- घर में सुख समृद्धि बनाए रखने के लिए सुबह स्नान करने के बाद नमक पानी का छिड़काव करना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा नहीं रहती है और धन लाभ होता है।

डैंड्रफ

खत्म करने का आसान तरीका

बालों में डैंड्रफ और सिर में पपड़ी जैसी समस्याएं होना आम हैं, लेकिन ये किसी भी इंसान को परेशान करने के लिए काफी हैं। इससे निजात पाने के लिए लोग कई तरह के उपाय करते हैं। ऐसा करने से कई बार उनकी समस्या खत्म भी हो जाती है तो कई बार नहीं भी। ऐसे लोगों के लिए पूजा-आरती में काम आने वाली कपूर की टिकिया ज्यादा असरदार हो सकती है। इसको लगाने से बालों में डैंड्रफ और सिर में पपड़ी ही नहीं, बल्कि स्कैल्प इंफेक्शन भी दूर होता है। बता दें कि, कपूर एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल होने के कारण ये बालों में इलास्टीन और कोलेजन के प्रोडक्शन को बढ़ावा देता है, जिससे बालों का टैक्सचर सही रहता है। आइए जानते हैं इसके इस्तेमाल का सही तरीका।

कपूर के साथ नारियल तेल का करें इस्तेमाल
कपूर के साथ नारियल का तेल खुजली दूर करने में बेहद असरदार माना जाता है। यदि आपको खुजली या फंगस की दिक्कत है तो आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए नारियल ते ल को गर्म करें और उसमें थोड़ा सा कपूर पाउडर घोलें। इसके बाद इसको अपने स्कैल्प पर लगा लें। इसे 1 घंटा लगा रहने के बाद शैम्पू से धो लें। ऐसा करने से खुजली भी शांत होगी और फंगस पैदा करने वाले रूसी से भी दूरी होगी।

यदि आप डैंड्रफ से परेशान हैं तो कपूर के साथ नीम का इस्तेमाल अधिक फायदेमंद होगा। इसके लिए कपूर और नीम की पत्तियों को पीस लेंगे। अब इसे अपने बालों और स्कैल्प पर लगाएंगे। करीब 30-40 मिनट लगा रहने के बाद इसे अच्छी तरह से धो लें। ऐसा करने से बालों की स्कैल्प साफ होगी। साथ ही डैंड्रफ और खुजली को समस्या भी दूर होगी।

कपूर, रीठा व दही का करें इस्तेमाल
कपूर, रीठा और दही का मिश्रण सेहत के लिए फायदेमंद होता है। बता दें कि, रीठा बालों को हेल्दी रखता है और कपूर एंटीबैक्टीरियल होने से स्कैल्प की समस्या से राहत दिलाता है। इसके अलावा दही को लगाने से खुजली से आराम मिलता है। इसको लगाने के लिए रीठे को उबालकर इसमें दही और कपूर पीस कर मिला लें। इसको लगाने के करीब 30 मिनट बाद शैंपू किया जा सकता है।

कपूर के साथ नींबू का करें इस्तेमाल
कपूर के साथ नींबू का इस्तेमाल करने से डैंड्रफ से निजात मिलती है। इसके लिए एक नींबू का पीस लें और इसमें कपूर को मिलाकर इसे स्कैल्प और बालों में लगा लें। इसको करीब 30 मिनट तक लगाने के बाद शैंपू कर लें। ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या खत्म होती है।

बच्चे को अनुशासन सिखाने का बेस्ट तरीका

बच्चे जब बात नहीं सुनते और कही हुई बात का बिल्कुल उल्टा काम करते हैं तो गुस्सा आना लाजिमी है। कई बार पैरेंट्स इस गुस्से में बच्चों को तेजी से डांट देते हैं या फिर मारने लगते हैं। लेकिन ये पैरेंटिंग का सबसे गलत तरीका है। क्योंकि बच्चों को मारने से उनके मेंटल हेल्थ पर बुरा असर पड़ता है और वो कई बार एग्रेसिव हो जाते हैं या फिर दब्बू। बच्चों को डिसिप्लिन सिखाने का एक्सपर्ट का बताया ये तरीका काफी काम आ सकता है।

कुछ समय बिताएं
बच्चे कई बार पैरेंट्स से नाराज होकर या चिढ़कर उल्टे काम करते हैं या फिर बात नहीं सुनते। इसलिए अपने बच्चों के साथ बॉडिंग जरूर बनाएं। कितना भी बिजी दिन हो कम से कम 5 मिनट तो बच्चे के लिए जरूर निकालें। जब आप बैठकर उससे बातें और करे और दिनभर की एक्टीविटी के बारे में पूछें। ऐसे में बच्चा छोटा हो या टीनएज का दोनों ही पैरेंट्स के साथ बैठना पसंद करेंगे और बात करेंगे। ध्यान रहे कि कि आप दोनों की बातों के बीच में मोबाइल, टीवी, इंटरनेट बिल्कुल भी रुकावट पैदा ना करें।

बच्चे को डिटेल में समझाएं
बच्चे को केवल बदमाशी ना करने या फिर गंदगी ना फैलाने के लिए मना करना ठीक नही है। क्योंकि कई बार बच्चे समझ ही नहीं पाते कि उनसे पैरेंट्स चाहते क्या है। इसलिए उन्हें बिल्कुल डिटेल में और क्लियर कहें कि इस काम को ना करो या फिर इस काम को करो।

अच्छे बिहेवियर पर तारीफ करें
बच्चे के रोने, चिल्लाने या बुरे बर्ताव पर आप फौरन रिएक्ट करते हैं। लेकिन अच्छे व्यवहार को यूं ही जाने देते हैं। इससे बच्चा वहीं करेगा जो आपका अटेंशन ले सके। बच्चा जब आपकी बात आसानी से मान रहा है और कहा हुआ सारा काम कर रहा है। तो उसके व्यवहार की तारीफ करें और इनाम दें। जिससे बच्चे को समझ आए कि मम्मी-पापा को इस तरह का काम या व्यवहार पसंद है।

डिस्ट्रैक्ट करना आएगा काम
बच्चा जब किसी गलत चीज की डिमांड कर रहा या फिर रो रहा है तो उसे किसी क्रिएटिव चीज में इंगेज करें। माइंड डाइवर्ट करने से उसका ध्यान अपनी एक्टीविटी से हटकर दूसरे गेम या काम पर चला जाएगा।

लहसुनी पालक

पालक एक ऐसी हरी पत्तेदार स जी है जो गुणों का खजाना है। इसे खाने से शरीर में संक्रमण का खतरा कम रहता है। इससे स्वास्थ्य को कई लाभ हैं। पालक में विटामिन के, मैग्निशियम, कैलशियम, आयरन और फास्फोरस पाया जाता है। इस वजह से लोग ज्यादा से ज्यादा पालक का सेवन करते हैं। हालांकि कई बार एक ही तरह के डिश खा कर लोग बोर हो जाते हैं। तो क्यों ना पालक की नई किस्म की डिश बनाई जाए...

आवश्यक सामग्री
पालक 200 ग्राम, मेथी 30 ग्राम, एक छोटा चम्मच हींग, चार चम्मच तेल, एक से दो बारीक कटी हुई प्याज दो चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, तीन चम्मच बेसन दो चम्मच धनिया पाउडर, एक चम्मच जीरा पाउडर, एक चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच हल्दी पाउडर, एक बारीक कटा हुआ टमाटर, आधा कप दही गरम मसाला, स्वादानुसार नमक

बनाने की विधि
लहसुनी पालक बनाने के लिए सबसे पहले पैन में पानी गर्म करें, अब पालक और मेथी को धोकर पानी में उबालने के लिए रख दें।
अच्छी तरह से उबलने के बाद पालक और मेथी को बर्फ के पानी में डालकर ठंडा कर लें।
अब इसे छानकर मिक्सर में ग्राइंड कर लें,
अब कड़ाही में तेल गर्म करने के लिए चढ़ाएं।
जब तेल गरम हो जाए तो इसमें हींग डालें, फिर प्याज और अदरक लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें।
प्याज ब्राउन होने के बाद कड़ाही में बेसन मिक्स कर दें।
अब इसमें हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और जीरा पाउडर मिलाएं।
1 से 2 मिनट तक भूनने के बाद पैन में टमाटर डाले और हल्का सॉफ्ट होने के बाद इसमें पालक की प्यूरी ऐड कर दें।
अब इसमें गरम मसाला दही और नमक मिक्स करें,कुछ देर तक पकने के लिए इसे छोड़ दें,
अब तड़का तैयार करने के लिए दूसरे पैन में तेल गर्म करें।
इसमें जीरा, बारी कटे हुए लहसुन और कश्मीरी लाल मिर्च डालकर भूनें।
फिर इस मिक्सचर को पालक की सब्जी में डालकर चला दें।
तैयार हैं आपकी लहसुन पालक की सब्जी, इसे रोटी या चावल के साथ गरमागरम सर्व करें।

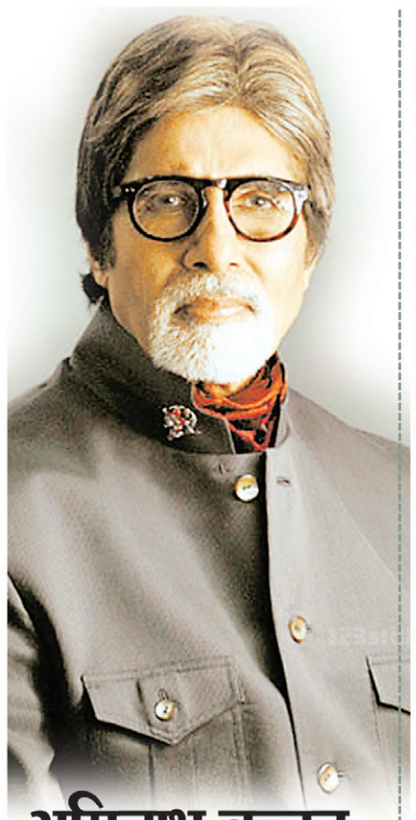

अमिताभ बच्चन ने अभिषेक की तारीफ की

अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे अभिषेक बच्चन की तारीफ की है और उनके लिए एक लंबा नोट लिखा है। अमिताभ ने अभिषेक की इसलिए तारीफ की है क्योंकि उन्होंने इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में फिल्म आई वांट टू टॉक के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब जीता है। ऐसे में अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर अभिषेक की तारीफ की

अमिताभ ने की अभिषेक की तारीफ

अमिताभ बच्चन ने खुद को दुनिया का सबसे खुश पिता बताया। उन्होंने एक मैगजीन के कवर पेज पर अभिषेक बच्चन की तस्वीर भी शेयर की। अभिषेक की तस्वीर शेयर करते हुए अमिताभ ने लिखा मैं पूरे ब्रह्मांड में सबसे खुश पिता हूं। अभिषेक, आप परिवार का गौरव और सम्मान हैं।

अभिषेक ने मेलबर्न में अवॉर्ड जीता

अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा आप उस झंडे को फहराते हैं जिसे दादाजी ने स्थापित किया था, और इसे बहादुरी और कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ाया है। इसमें समय लगा, लेकिन आपने हार नहीं मानी। आपने अपनी योग्यता के आधार पर दुनिया को दिखाया है। आपको मेलबर्न में पहला कलाकार घोषित किया गया है। एक पिता के लिए इससे बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता।

अमिताभ ने अभिषेक का हौसला बढ़ाया

अमिताभ ने आगे कहा कुछ साल पहले मैं आपकी एक उत्कृष्ट फिल्म और आपके अभिनय को लेकर बेहद उत्साहित था। इस पर कुछ लोगों ने मेरा और मेरे दिखावे का मजाक उड़ाया था। लोग मुझ पर हंसे थे। उस तिरस्कार भरी हंसी को तालियों और प्रशंसा ने दबा दिया है। अमिताभ ने लिखा जीतना कई बंधनों और जंजीरों का अंतिम जवाब है..! जीत की कीमत बहुत अधिक है। अभिषेक, आपने यह साबित कर दिया है। शांत रहें और अपनी मर्जी के हिसाब से चलें।

कृति सेनन ने खरीदा सपनों का आशियाना

मुंबई के पॉश इलाके में लिया पेंटहाउस

बॉलीवुड की खूबसूरत और टैलेंटेड अदाकारा कृति सेनन ने रियल एस्टेट की दुनिया में एक बड़ा निवेश किया है। उन्होंने मुंबई के सबसे पॉश इलाकों में शुमार पाली हिल, बांद्रा में एक सी-फेसिंग लग्जरी डुप्लेक्स पेंटहाउस खरीदा है जिसकी कीमत 78.20 करोड़ से भी ज्यादा बताई जा रही है। ये डील मुंबई की रिहायशी संपत्तियों में अब तक की सबसे महंगी डील्स में गिनी जा रही है।

पाली हिल में कृति ने खरीदा पेंटहाउस

कृति का नया आशियाना सुप्रीम प्राणा नाम की एक लग्जरी रेसिडेंशियल बिल्डिंग में स्थित है, जो पाली हिल के हाई-प्रोफाइल माहौल का हिस्सा है। ये डुप्लेक्स पेंटहाउस 7,302 वर्ग फुट में फैला हुआ है और इसकी दो मंजिलें 14वीं और 15वीं समुद्र के विहंगम सीन के साथ आती हैं। इस घर के साथ उन्हें छह कार पार्किंग स्लॉट्स भी मिले हैं। इस प्रॉपर्टी की कीमत प्रति वर्ग फुट लगभग 1.18 लाख बताई गई है, जो इसे उपनगरीय मुंबई में एक बेहद हाई-एंड निवेश बनाता है।

स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन में मिली छूट

इस प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री 14 अगस्त 2025 को की गई और कृति ने इस पर 3.91 करोड़ की स्टांप ड्यूटी और 30,000 का रजिस्ट्रेशन शुल्क अदा किया। महिला खरीदार होने के नाते, उन्हें स्टांप ड्यूटी में छूट भी प्राप्त हुई। हालांकि कृति सेनन की ओर से इस डील को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन प्रॉपर्टी दस्तावेज इस खरीदारी की पुष्टि करते हैं।

अलीबाग में भी है उनका एक खूबसूरत रिट्रीट

इससे पहले, जुलाई 2024 में कृति ने अलीबाग में भी एक प्रीमियम प्लॉट खरीदा था, जिसकी कीमत 2 करोड़ से अधिक थी। हरियाली से भरपूर इस 2000 वर्ग फुट के प्लॉट से समुद्र का नजारा देखने को मिलता है। ये प्लॉट 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोधा' प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जहां अमिताभ बच्चन जैसे सितारे भी निवेश कर चुके हैं।

वर्कफंट पर कृति सेनन

हाल ही में कृति सेनन के फिल्म कॉकटेल 2 में काम करने की खबर सामने आई है। इसके अलावा अभिनेत्री की झोली में फिलहाल कई फिल्में हैं। वो धनुष के साथ फिल्म 'तेरे इश्क में' और रणवीर सिंह के साथ 'डॉन 3' जैसी बड़ी फिल्मों में भी काम कर रही हैं।

इस खास शख्स के बिना अधूरी हैं टीना दत्ता

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को लेकर फैसला सुनाया था, जिसके बाद से डॉग लवर्स की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। इसी कड़ी में टीवी अभिनेत्री टीना दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो अपने पेट डॉग संग दिख रही हैं। साझा की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस व्हाइट कलर की ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में एक्ट्रेस हाथ जोड़े हुए दिख रही हैं और जमीन पर उनका डॉग लेटा हुआ है। तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने डॉग के लिए कैप्शन दिया है। उन्होंने लिखा, 'तुम हो तो सब कुछ अच्छा है, तुम हो तो मेरी दुनिया हसीन है, तुम हो तो मैं हूं, तुम हो तो सब अच्छा लगता है।' इसके आगे उन्होंने कहा, 'तुम मेरी पूरी दुनिया हो, तुम बिना शर्त प्यार सिखाते हो, तुम कितने सुंदर हो, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं।' टीना दत्ता इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनके 4.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

हनुमान फेम तेजा सज्जा की फिल्म से जुड़े करण जौहर

सुपरहिट फिल्म हनुमान के बाद, तेजा सज्जा अगली फिल्म मिराई में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को कार्तिक घट्टामनेनी ने निर्देशित किया है, जिसे पीपल मीडिया फैक्ट्री ने बनाया है। फिल्म का प्रचार जोरों पर है और दर्शकों में उत्साह बढ़ रहा है। ताजा जानकारी के अनुसार, अब मिराई के हिंदी में भी रिलीज किया जाएगा।

कब रिलीज होगी फिल्म

मिराई के निर्माताओं ने पुष्टि की है तेजा सज्जा की इस फिल्म मिराई को 5 सितंबर, 2025 को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। खास बात यह है कि करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस हिंदी बाजार में इस फिल्म को रिलीज करेगी, जिससे फिल्म को ज्यादा दर्शक और स्क्रीन्स मिलने की उम्मीद है।

फिल्म मिराई के बारे में

फिल्म हनुमान ने तेजा सज्जा को पैन इंडिया स्टार बना दिया। उनकी फिल्म मिराई का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। यह एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। कार्तिक घट्टमनेनी के निर्देशन में बनी इस तमिल फिल्म को टीजी विश्व प्रसाद और कृति प्रसाद प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म मिराई की रिलीज नजदीक आने के साथ अब उत्तर भारत में प्रचार तेज हो रहा है। इस फिल्म में मंचू मनोज खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि जगपति बाबू, रितिका नायक और अन्य कलाकार भी अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का संगीत गौरा हरि ने दिया है।

वर्सटाइल एक्टर बनकर बड़े पर्दे पर छा गए सैफ अली खान

32 साल के एक्टिंग करियर में सैफ अली खान की जर्नी काफी अलग किस्म की रही है। वह रोमांटिक हीरो बनकर इंडस्ट्री में आए, फिर सपोर्टिंग रोल्स में दर्शकों का दिल जीतने की कोशिश की। सैफ अली खान पिछले कुछ वर्षों में नेगेटिव या विलेन के रोल में धाक जमा चुके हैं। इस तरह देखा जाए तो अब के करियर में वह हर जॉनर की फिल्मों में अभिनय के रंग दिखा चुके हैं। सैफ अली खान खुद ही अभिनय की दुनिया में सक्रिय नहीं हैं, उनके परिवार के कई सदस्य फिल्मी दुनिया से नाता रखते हैं।

सैफ अली खान के एक्टिंग करियर में वक्त के साथ आए बदलाव

रोमांटिक हीरो बनकर की शुरुआत- सैफ अली खान ने साल 1993 में फिल्म 'परंपरा' से बॉलीवुड में कदम रखा था। सैफ को बेस्ट मेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड तक मिला। रोमांटिक हीरो के तौर पर वह 'आशिक आवारा' में भी दिखे।लेकिन इन किरदारों में वह दर्शकों पर गहरा असर नहीं छोड़ सके। आगे चलकर सपोर्टिंग रोल में दिखे- जब सैफ अली खान को रोमांटिक फिल्मों में सफलता नहीं मिली तो वह सेकेंड हीरो, सपोर्टिंग रोल करने लगे। अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' में अभिनय करते नजर आए। इस फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की और सैफ के करियर ग्राफ को भी नीचे जाने से बचा लिया। आगे भी वह 'कच्चे धागे', 'हम साथ साथ हैं', 'क्या कहना', 'दिल चाहता है' और 'कल हो ना हो' जैसी चर्चित फिल्मों में सपोर्टिंग एक्टर के रोल में ही नजर आए। इसी के साथ वह 'परिणीता' और 'हम तुम' जैसी रोमांटिक फिल्मों का भी हिस्सा बने। नेगेटिव रोल में छा गए सैफ अली खान- साल 2004 में सैफ अली खान ने 'एक हसीना थी' जैसी फिल्म की, इसमें एक ग्रे शेड रोल किया। फिर आया साल 2006, इस साल सैफ अली खान विशाल भारद्वाज निर्देशित फिल्म 'ओमकारा' में लगड़ा त्यागी के नेगेटिव रोल में दिखे। इस किरदार में सैफ अली खान को देखकर दर्शक, क्रिटिक्स सभी हैरान रह गए। फिर 'रेस' में भी उन्होंने ग्रे शेड रोल किया। फिल्म 'ताण्हा जी', 'देवरा' और 'आदिपुरुष' जैसी फिल्मों में भी वह विलेन के रोल में नजर आए। नेगेटिव किरदारों में ही सैफ अली खान ने दर्शकों को सबसे ज्यादा इंप्रेस किया है।

नवाबों के खानदान से नाता, परिवार के सदस्य फिल्मी दुनिया का हिस्सा

दिल्ली में जन्मे और मुंबई में पले-बढ़े सैफ अली खान एक नवाब परिवार ने नाता रखते हैं। साथ ही बॉलीवुड से भी उनके परिवार का रिश्ता पहले से बना हुआ था। सैफ अली खान की मां शर्मिला टैगोर अपने समय की मशहूर एक्ट्रेस रहीं, वहीं पिता मंसूर अली खान पटौदी एक नवाब और फेमस क्रिकेटर थे। सैफ अली खान की पहली पत्नी अमृत सिंह भी एक्ट्रेस रही हैं। अमृता से सैफ अली खान को दो बच्चे हुए, सारा अली खान और इब्राहिम अली खान, दोनों ही इन दिनों फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं। अमृता सिंह से तलाक के कई साल बाद सैफ अली खान ने एक्ट्रेस करीना कपूर से शादी की। करीना कपूर से भी सैफ के दो बेटे हैं, जो अभी काफी छोटे हैं। सैफ अली खान की दो बहनें हैं, सबा और सोहा अली खान। सोहा बॉलीवुड में एक्टिंग करती हैं, वहीं सबा अली खान एक ज्वेलरी डिजाइनर हैं। सोहा अली खान के पति कुणाल खेमू भी बॉलीवुड एक्टर हैं। इस तरह सैफ अली खान के परिवार के कई सदस्य फिल्मी दुनिया का हिस्सा हैं।

रजनीकांत से लेकर श्रुति हासन तक, साउथ के इन कलाकारों ने बॉलीवुड में जमाई धाक

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कभी हॉलीवुड तो कभी साउथ के कलाकारों ने काम किया है। साउथ के कई कलाकारों ने साउथ की फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की तो उन्होंने बॉलीवुड में भी खूब नाम कमाया है। आज हम साउथ के उन कलाकारों के बारे में जानेंगे जिन्हें बॉलीवुड के दर्शकों ने खूब प्यार दिया।

राजनीकांत

साउथ के जिस अभिनेता को बॉलीवुड में सबसे ज्यादा प्यार मिला वह रजनीकांत हैं। साउथ में उन्हें भगवान की तरह माना जाता है। हालांकि बॉलीवुड में भी उनका योगदान कुछ कम नहीं है। उन्होंने बॉलीवुड में गिरफ्तार, चालबाज, हम और बुलंदी जैसी फिल्में कीं। इसके लिए उनकी खूब सराहना हुई।

कमल हासन

कमल हासन साउथ के दिग्गज कलाकार हैं। उन्होंने बॉलीवुड में सदमा, सागर और चाची 420 में अभिनय किया है। बॉलीवुड में उनके अभिनय को खूब सराहा गया है। बॉलीवुड में शोहरत के मामले में वह रजनीकांत से कम नहीं हैं। उन्होंने 4 नेशनल अवॉर्ड और 19 फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते हैं।

तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया साउथ की मशहूर अभिनेत्री हैं। उन्होंने बाहुबली से खूब नाम कमाया। बॉलीवुड में उनकी एंट्री बहुत खास नहीं रही। उन्होंने चांद सा रौशन चेहरा और हिम्मतवाला में अभिनय किया। बॉलीवुड में उनके आइटम गानों आज की रात और नशा को खूब पसंद किया गया।

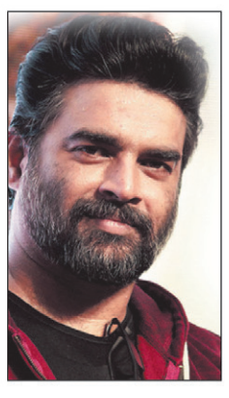

आर माधवन

आर माधवन ने न सिर्फ अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम किया बल्कि वह हर किरदार में आसानी से ढल गए। फिल्म रहना है तेरे दिल में से उन्हें बॉलीवुड में पहचान मिली। साला खडूस में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई। बॉलीवुड में उन्होंने रंग दे बसंती, 3 इडियट्स और तनु वेड्स मनु में अच्छा काम किया है।

असिन

बॉलीवुड में आने से पहले ही असिन साउथ में काफी मशहूर हो चुकी थीं। उन्होंने तमिल और तेलुगु में कई कामयाब फिल्में कीं। उन्होंने बॉलीवुड में आमिर खान के साथ फिल्म गजनी में काम किया। इसके बाद उन्होंने सलमान खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन के साथ काम किया।

सिद्धार्थ

सिद्धार्थ ने बॉलीवुड में ज्यादा फिल्में नहीं कीं हैं लेकिन फिल्म रंग दे बसंती में उन्होंने बेहतरीन किरदार निभाया है। बताया जाता है कि उन्हें बॉलीवुड से कई ऑफर मिले लेकिन उन्होंने कई ऑफर स्वीकार नहीं किए। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी के साथ शादी को लेकर वह सुर्खियों में रहे।

श्रुति हासन

पिता कमल हासन की तरह श्रुति हासन ने साउथ में खूब नाम कमाया है। बॉलीवुड में कई बेहतरीन फिल्मों से उन्होंने अपनी अदाकारी की छाप छोड़ी है। उन्होंने रमैया वस्तावैया में बेहतरीन अदाकारी की। इसके अलावा अक्षय कुमार के साथ गब्बर फिल्म की। बॉलीवुड के दर्शकों को उनकी अगली फिल्म का इंतजार है।

खबर-खास

स्व. वेदप्रकाश शर्मा की नवम पुण्यतिथी आज

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। अविभाजित जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर चांपा के पूर्व जिलाध्यक्ष स्व. वेदप्रकाश शर्मा की नवम पुण्यतिथि 20अगस्त आज मनाई जायेगी । इस अवसर पर उनके निज निवास में श्रद्धांजलि कार्यक्रम मध्यान्ह 3 बजे से रखा गया है । दिवंगत कांग्रेस नेता के पुत्र रिशी शर्मा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत पहुँचकर अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे वहीं उन्होने अपने स्व. पिता जी से जुड़े रहे शुभ चिंतकों को कार्यक्रम में उपस्थित होने की आग्रह भी की है ।

भोरमदेव कृषि महाविद्यालय मे मनाया स्वतंत्रता दिवस

कवर्धा (समय दर्शन)। भोरमदेव कृषि महाविद्यालय में 79 वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डायरेक्टर श्रीनिवास पाठक ने ध्वजारोहरण किया। वहीं विकास पाठक, सुहास पाठक द्वारा शुभकामनाएं सन्देश दिया गया। इसके बाद राष्ट्रीय गान प्रस्तुत किया गया और मिष्ठान वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टॉफ आशीष सोनी, जितेन्द्र चंद्रवंशी, अश्वन जायसवाल, श्रीमती आरएल पाली, श्रीमती उर्मिला केशरवानी, खेलावन दास, महेंद्र नाथ योगी दीपक ठाकुर व छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

डिजिटल क्रॉप सर्वे की जानकारी लेने कलेक्टर पहुंचे खेतों में

दुर्ग (समय दर्शन)। शासन के निर्देशों के तहत जिले में खरीफफसलों का डिजिटल क्रॉप सर्वे सर्वेयर के माध्यम से किया जा रहा है। उक्त सर्वे की अद्यतन जानकारी लेने कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह आज खेतों में पहुंचे। उन्होंने दुर्ग तहसील के ग्राम नगपुरा ओर बोरी तहसील के ग्राम नवागांव में सर्वेयर के द्वारा किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे का मौका मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने सर्वे के संबंध में अधिकारियों एवं सर्वेयर से जानकारी ली। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग श्री हरवंश सिंह मिरी, अनुविभागीय अधिकारी धमधा श्री सोनल डेविड, तहसीलदार दुर्ग श्री प्रफुल्ल गुप्ता, तहसीलदार बोरी श्री तारसिंह खरे, अतिरिक्त तहसीलदार श्री हुलेश्वर खुटे, संबंधित राजस्व निरीक्षक, ग्राम कोटवार, कृषकगण एवं सर्वेयर उपस्थित थे।

भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा और हमारी परंपराओं, विश्वासों और एकता का प्रतीक है तीज- भावना बोहरा

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने महिलाओं के साथ मनाया तीज मिलन समारोह

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा सामुदायिक भवन पंडरिया में 18 अगस्त को तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र की 2500 से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। महिलाओं के मनोरंजन हेतु सामूहिक एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन भी किया गया, जिसमें उन्होंने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। विधायक भावना बोहरा ने प्रतियोगिता में विजयी महिलाओं को सम्मानित कर तीज पर्व की अग्रिम बधाई व शुभकामनाएं दी, वहीं उनके साथ बड़े ही उत्साह व विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता कर उत्साह के साथ पर्व मनाया।

सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आने वाली समूह की महिलाओं को 11000 रुपए, द्वितीय को 5100 रुपए, तृतीय को 2100 रुपए एवं ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया। इसी तरह एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान को 5100 रुपए द्वितीय को 2100 रुपए, तृतीय को 1100 रुपए एवं ट्रॉफी से पुरस्कृत कर विधायक भावना ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर विधायक भावना ने कहा कि तीजा पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति परंपरा एवं नारी शक्ति के प्रतीक पर्व के रूप में बड़े ही उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह पर्व नारी शक्ति, संवेदना, समर्पण और स्नेह का पर्व है। जहाँ सुहागिन महिलाएं अपने पति के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन के लिए निर्जला व्रत रखकर शिव.पार्वती की पूजा करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म में मान्यता है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता। इसी मान्यता का अनुसरण करते हुए छत्तीसगढ़ की डबल इंजन भाजपा सरकार भी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिमाह 1000 रुपए की राशि महतारी वंदन योजना के माध्यम से उनके खातों में हस्तांतरित कर रही है। तीज केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर का भी प्रतीक है। यह पर्व हमें हमारी जड़ों से जोड़े रखता है और नई पीढ़ी को हमारी परंपराओं और मूल्यों से परिचित कराता है। यह त्योहार सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है, क्योंकि इसमें हर वर्ग और समुदाय की महिलाएँ एक साथ मिलकर उत्सव मनाती हैं। यह पर्व हमें नारी शक्तिए आत्मविश्वास और एकता का संदेश देता है।

भावना बोहरा ने कहा कि तीज पर्व हमें यह सिखाता है कि प्रेम, समर्पण और विश्वास के साथ कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही यह हमें परिवार और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी याद दिलाता है।

नियमितीकरण व वेतनवृद्धि की मांग पर एनएचएम कर्मियों की हड़ताल शुरू

खैरागढ़ (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारी अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर उतर आए। प्रदेशभर के 16 हजार से अधिक कर्मचारी आंदोलनरत हैं। इसी कड़ी में खैरागढ़ एनएचएम कर्मचारी संघ के सदस्य भी जिला मुख्यालय स्थित अंबेडकर चौक पर धरने पर बैठ गए।

धरने में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष कर्मचारी शामिल हुए। कई महिलाएं छोटे बच्चों को साथ लेकर भी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचीं। कर्मचारियों का कहना है कि कोरोना काल के दौरान उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर सेवाएं दींए लेकिन सरकार ने उनकी समस्याओं पर अब तक ध्यान नहीं दिया।

कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक नियमितीकरण, वेतनवृद्धि और सेवा शर्तों में सुधार समेत उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने साफ कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं बाधित होंगी और इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इधर, हड़ताल शुरू होते ही जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर असर दिखना शुरू हो गया है।

जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का सफल आयोजन

कोरबा (समय दर्शन)। जिला शिक्षा अधिकारी टी.पी. उपाध्याय के मार्गदर्शन एवं नोडल अधिकारी बी.पी. कश्यप के कुशल संचालन में जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय (एसएजीईएस), जमनीपाली में संपन्न हुआ।

इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 70 छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतियोगिता के अवसर पर कार्यक्रम संयोजक पी.डी. मनिकपुरी एवं एस.एस. खान सहित शिक्षा विभाग के अनेक अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में जी.पी. बंजारें, प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लफ एवं श्रीमती मंजू तिवारी, प्राचार्य एसएजीईएस दादरखुर्द, ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।

प्रतियोगिता में एसएजीईएस, एनसीडीसी की टीम ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह टीम अब आगामी सितंबर माह में आयोजित होने वाली संभाग स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

स्वतंत्रता दिवस पर बछेरा विद्यालय में निकली तिरंगा रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय बछेरा में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

मुंगेली(समय दर्शन)। मुंगेली जिला अंतर्गत विकास खण्ड पथरिया के ग्राम पंचायत बछेरा में शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय बछेरा में 15 अगस्त को 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता रैली से हुई, जिसमें विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। यह तिरंगा रैली ग्राम बछेरा की गलियों से होकर गुज़री, जिसका उद्देश्य ग्रामवासियों में देशभक्ति, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना था।

कार्यक्रम का संचालन सहायक शिक्षक लक्ष्मी कांत जड़ेजा द्वारा किया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं के बीच स्वतंत्रता संग्राम, देशभक्तों एवं राष्ट्रीय महापुरुषों से संबंधित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में प्रियांश ने प्रथम स्थान, चांदनी ने द्वितीय स्थान और हेमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों, अमर शहीदों तथा देश के लिए बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के बारे में प्रेरणादायक जानकारी प्राप्त हुई। छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय रहे। अंग्रेजी भाषण अभय, सविता, मीरा, खुशी, अंजलि एवं तरुण साहू ने दिया, जो अत्यंत प्रभावशाली रहा। देविका, हेमा एवं नंदनी ने झंडा गीत, राष्ट्रगान एवं सरस्वती वंदना गीत की सुमधुर प्रस्तुति दी।कुमारी विधि द्वारा भारत माता और मां दुर्गा के रूप में प्रस्तुत कार्यक्रम दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

ऑयल पाम की खेती से बदलेगी किसानों की किस्मत

जिले में 12.59 हेटेयर क्षेत्र में 1800 पौधों का किया गया रोपण

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में एवं फसल विविधिकरण हेतु ऑयल पाम की खेती को जिले में व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आयल पाम की खेती से जिले के किसानों को वृहद पैमाने पर जोड़ने के निर्देश दिए हैं।

सहायक संचालक उद्यान श्रीमती रंजना मखीजा ने बताया कि ऑयल पाम एक लाभकारी एवं दीर्घकालिक निवेश विकल्प के रूप में उभर रही है सरकारी सहायता और उचित प्रबंधन से किसानो को स्थिर एवं उच्च आय प्राप्त होगी। जिले के अकलतरा, बलौदा, बम्हनीडीह एवं नवागढ़ विकासखंडों में 50 हेक्टेयर हेतु किसानो का चयन किया गया है जिसमें से कुल 9 किसानों ने कुल 12.59 हेक्टेयर क्षेत्र में 1800 पौधे लगाये हैं। किसानों में नरियरा के श्री मुकेश केडिया, बछौद के श्री राम बाबू, सेवई के श्री नवनीत सिंह राणा, सरवानी के श्री अजीत राम साहू एवं अन्य शामिल है। पाम ऑयल की खेती के लिए किसानों को शासकीय अनुदान एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदाय किया जा रहा है। योजनांतर्गत रोपणी सामग्री, रखरखाव, खाद, अंतरवर्ती फसल, बोरवेल, पंपसेट, फेंसिंग एवं ड्रिप हेतु केन्द्र सरकार द्वारा 1.30 लाख का अनुदान दिया जा रहा है। एवं राज्य सरकार द्वारा 1.29 लाख टॉपअॅप के माध्यम से दिया जाना प्रस्तावित है इस प्रकार किसानो को प्रति हेक्टेयर 2.59 लाख का शासकीय अनुदान से लाभान्वित किया जावेगा।

सहायक संचालक उद्यानिकी ने बताया कि विशेषज्ञों के अनुसार पाम ऑयल की खेती धान एवं अन्य तिलहनी फसलों की तुलना में 3 से 5 गुना अधिक लाभकारी है। प्रति हेक्टेयर किसानों को 2.5 से 3 लाख रुपए तक की आमदनी प्राप्त हो सकती है। पाम ऑयल का उपयोग रिफाइंड तेल, साबुन और सौंदर्य प्रसाधनों में किया जाता है, जिससे इसका बाजार स्थायी एवं लाभदायक है। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पाम ऑयल की खेती को अभियान के रूप में आगे बढ़ाते हुए जिले के अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ा जाए। विभाग द्वारा किसानों को पौधे, तकनीकी मार्गदर्शन एवं विपणन की गारंटी उपलब्ध कराई जा रही है। ऑयल पॉम पौध रोपण के 3 वर्ष से 25 से 30 वर्षो तक लगातार उत्पादन प्राप्त होता है प्रति हेक्टेयर 15 से 20 टन ताजे फ्ल गुच्छे प्रति वर्ष प्राप्त होता है शुरूआत के तीन वर्षो में अन्तर्वतीय फसले जैसे – केला, पपीता, सब्जी एवं मसाला लगाकर अतरिक्त आय अर्जित कर सकते है यदि अन्तवर्तीय फसल के रूप में ग्राफ्टेड बैगन की खेती करते है तो प्रति हेक्टेयर 5 लाख तक आय प्राप्त कर सकते है।

संभाग स्तरीय कार्यालयों में शीघ्र ई-ऑफिस प्रक्रिया होगी प्रारंभ

दुर्ग (समय दर्शन)। संभाग आयुक्त एसएन राठौर ने आज संभाग आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विभागवार समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने कहा कि शासन की गुड-गवर्नेंस नीति के तहत् दुर्ग संभाग के अंतर्गत सभी संभाग स्तरीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने संभाग प्रमुख अधिकारियों को ई-ऑफिस की प्रक्रिया के तहत् कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिनस्थ कर्मचारियों को भी प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षित करने कहा। संभाग आयुक्त ने उपायुक्त को अधिकारियों और उनके अधिनस्थ कर्मचारियों के लिए शीघ्र संभाग स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित करने को कहा। संभाग आयुक्त ने स्वच्छ छत्तीसगढ़ मिशन की समीक्षा करते हुए नगरीय प्रशासन और विकास विभाग के अधिकारी को शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों में सॉलिड-लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान देने निर्देशित किया। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट के संबंध में मौका निरीक्षण करने उपायुक्त को निर्देशित किया।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)
दुर्ग, दिनांक 11.08.2025
(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 01.09.2025 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
157/173574	उपसंभाग क्रं. 01 दुर्ग के अंतर्गत विभिन्न आवासीय भवनों में (न्यायाधीश आवासगृह, पुलिस आवासगृह, कमीश्नर आवासगृह एवं कलेक्टर निवास आवासगृह) तथा गैर आवासीय भवनों (जिला न्यायालय/कलेक्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं कमीश्नर कार्यालय) में समय-समय पर स्वीकृत, विशेष मरम्मत एवं जमा कार्य	\.81
158/173576	सर्किट हाऊस मोहला पहुंच मार्ग में आर.सी.सी 6.00 मी. स्पान स्लैब कलर्वट का निर्माण कार्य	40.22

टीप
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. कमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

जी- 252602859/2

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष -0788- 2210876

NAME CHANGE

NAME CHANGE It is informed to the general public that I AKSHATA PRASHANT BOBADE D/O PRASHANT BOBADE resident of 9,Shakuntal Colony, VMV Road Amravati (MH) have changed my old name AKSHATA PRASHANT BOBADE D/O PRASHANT BOBADE, So in future I should be recognised by my new name that is AKSHATA ASHISH KHAIRKAR W/O ASHISH KHAIRKAR in all government and other documents.

AKSHATA ASHISH KHAIRKAR 392/5, Street 11,Pragati Nagar Bhilai, District Durg Chhattisgarh

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी, (राजस्व) धमधा, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// उद्घोषणा पत्र //

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मयंक देवांगन पिता गोपाल देवांगन निवासी गोपाल किराना स्टोर्स गयानगर दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम ठेलका प.ह.नं. 06 तहसील धमधा जिला दुर्ग में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 542/7 रकबा 0.08 है0/8700 वर्गफीट भूमि का व्यवसायिक प्रयोजन हेतु बी-1 एवं नक्शा, खसरा सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा आपत्ति हो तो प्रकरण में नियत तिथि एक सप्ताह के भीतर तक स्वंय अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 13/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
धमधा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

!! न्यायालय नायब तहसीलदार, दुर्ग 04 (छ.ग.) !!

मामला क्रमांक / 2025071041000084/अ-21(3)/2024-25

// उद्घोषणा पत्र //

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि माननीय अनुविभागीय अधिकारी (रा) दुर्ग के माध्यम से पत्र क्रमांक 6055 दिनांक 14/07/2025 के अनुसार आवेदक कुशाल सिंह नाई आ. खोरबाहरा, श्रीमती पुष्पा कौशिक आ0 खोरबाहरा, सतरूपा आ0 खोरबाहरा, भागवती आ0 खोरबाहरा सभी निवासी ग्राम दमोदा, प.ह.नं. 01, तह. व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा मौजा ग्राम-दमोदा प0ह0नं-01 रा0नि0म0 नगपुरा ख0नं0 288 रकबा 1.20 हे. के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है।

आवकदेगण बुजुर्ग व्यक्ति है अवसर बिमार रहते है जिसके उपचार की आवश्यकता पड़ती है। आवेदकगण बुजुर्ग व्यक्ति है तथा उसकी पुत्री रोजी मजदूरी करती है तथा आवेदक के ईलाज के खर्च का वहन करने में असमर्थ होने के कारण उपरोक्त भूमि को विक्रय कर ईलाज कराना चाहता है। आवेदक अपने उपरोक्त भूमि के विक्रय हेतु दो व्यक्ति से सौदा कर अग्रिम राशि प्राप्त कर चुका है, किन्तु आवेदकगण के नाम की भूमि भू-दान से प्राप्त होने के कारण अनुमति लेना आवश्यक है। भूमि ख.नं. 288 रकबा 1.20 है. में से 0.40 हे. को सुखदेव देवांगन एवं गवेन्द्र कुमार देवांगन निवासी- नगपुरा के पास 10,15,000/- रूपये (अक्षरी दस लाख पन्द्रह हजार रू.) का सौदा कर आवेदन जांच एवं प्रतिवेदन हेतु न्यायालय कलेक्टर दुर्ग के माध्यम से प्राप्त हुआ है। अतः भूमि को विक्रय करने की अनुमति चाही गई है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था उक्त भूमि के संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 28/08/2025 तक स्वंय अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई विचार नहीं किया

आज दिनांक 12/08/2025 को मेरे स्वंय के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से यह पत्र प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

मुहर

नायब तहसीलदार
दुर्ग (छग)

न्यायालय नायब तहसीलदार, पाटन के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202508101500006

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः-2024-2025
औरी प.ह.नं. 00008 ((हे.)।
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- राहुल कुलकर्णी,
अनावेदक पक्षकार -

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम औरी प.ह.नं. 08 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक राहुल कुलकर्णी पिता यशवंत रामचंद्र निवासी तात्यापारा रायपुर द्वारा ग्राम औरी ह.नं. 08 तहसील पाटन में स्थित अपनी माता लता कुलकर्णी पति यशवंत रामचंद्र के नाम पर दर्ज भूमि ख.नं. 65/4 रकबा 0.09 हे. भूमि में अपनी माता तता कुलकर्णी का दिनांक 29.10.2013 को मृत्यु होने से नाम विलोपित कर आपना एवं अन्य वारिसानों के नाम फौती नामांतरण दर्ज किये जाने छ.ग.भू.रा. संहिता की धारा 109, 110 के तहत प्रस्तुत आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक राहुल कुलकर्णी पिता यशवंत रामचंद्र निवासी तात्यापारा रायपुर द्वारा प्रस्तुत आवेदन आधार पर उपरोक्तानुसार नामांतरण की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 04.09.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जायेगा

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/08/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, पाटन के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202507104500044

मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2024-2025, विषयः- अ-6 अ फुंडा प.ह.न. 00020 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार चन्द्रशेखर,
अनावेदक पक्षकार -

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम फुण्डा प.ह.न. 20 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक चन्द्रशेखर पिता किशन लाल निवासी ग्राम फुण्डा द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि आवेदक के नाम हक एवं स्वामित्व में मौजा फुण्डा, पहन-20 तहसील पाटन जिला दूर्ग में ग्रामीण क्षेत्र में आबादी भूमि पर भूमिस्वामी अधिकार प्रदत्त करने का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है जिसका भूखण्ड नंबर 1104/42 का रकबा 128 वर्गमीटर में सहस्त्रातेदार के रूप में लेखराम का दर्ज होने से उक्त पटटे से उसका नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 25.08.2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/08/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

खनिज विभाग द्वारा अवैध रेत उत्खनन, परिवहन पर की गई कार्यवाही

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार एवं श्री अनिल कुमार साहू, खनि अधिकारी के मार्गदर्शन में विगत 01 सप्ताह में खनिज उडनदस्ता दल प्रभारी श्री रेखालाल राजपूत, खनि निरीक्षक द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रो में खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण के प्रभावी रोकथाम हेतु औचक जॉच किया गया।

खनि अधिकारी ने बताया कि जॉच के दौरान हनुमानधारा चाँपा स्थित हसदेव नदी से खनिज रेत के अवैध उत्खनन करते 01 जेसीबी जप्त कर थाना चांपा की सुपुर्दगी मे दिया गया है तथा जिले के विभिन्न क्षेत्रो से खनिज रेत के अवैध परिवहन के 08 प्रकरण (07 हाईवा एवं 01 टेक्टर) दर्ज किया गया है। इसी प्रकार खनिज निम्न श्रेणी चूना पत्थर के अवैध परिवहन के 07 प्रकरण (06 हाईवा एवं 01 टेक्टर) दर्ज किया गया है। जप्त वाहनो को जिले के अलग-अलग थाने / परिसर चॉपा, बम्हनीडीह, मुलमुला, पुलिस

लाईन, कलेक्ट्रेट परिसर के सुरक्षार्थ रखा जाकर वाहन मालिको के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है।

उन्होंने बताया कि खनिज एवं राजस्व अमला द्वारा 15 अगस्त को शिवरीनारायण के पास ग्राम भोगहापारा का संयुक्त मौका जॉच के दौरान खनिज रेत अवैध भण्डारण का 01 प्रकरण दर्ज किया जाकर अवैध भण्डारणकर्ता के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। खनिज उडनदस्ता दल द्वारा 18 अगस्त को शिवरीनारायण स्थित महानदी का मौके जाँच के दौरान बैराज के पास खनिज रेत का अवैध उत्खनन करते नही पाया गया। महानदी में निर्मित बैराज के सभी गेट खोला गया है जिस कारण नदी में पानी भरा होना पाया गया।

खनिजो के अवैध उत्खनन/परिवहन/भण्डारण के उपरोक्त दर्ज प्रकरणों पर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जा रही है। जिले में खनिजो के अवैध उत्खनन / परिवहन/भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु इसी प्रकार आगे भी निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी।

संक्षिप्त-खबर

महाविद्यालय में स्वच्छता पर शपथ

रानीतराई (समय दर्शन)। स्व. दाऊ रामचंद्र साहू शासकीय महाविद्यालय, रानीतराई में स्वच्छता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार मिश्रा के निर्देशन और कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रेश्मी वासनीकर के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को अपने कार्यस्थल, मोहल्ले, घर, गांव एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने तथा दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण न केवल सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि बीमारियों से बचाव का भी प्रमुख साधन है। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक चंदन गोस्वामी, श्रीमती शगुफ्ता सिद्दीकी, श्रीमती अंबिका ठाकुर बर्मन, श्रीमती आराधना देवांगन, सुश्री रेणुका वर्मा, अतिथि व्याख्याता टीकेश्वर कुमार पाटिल, वेणु कुमार साहू, तथा सुश्री शिखा मड़रिया सहित महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा 4800 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त

पिथौरा(समय दर्शन)। आबकारी वृत्त पिथौरा अंतर्गत ग्राम डोकरपाली सरपंच द्वारा दूरभाष से प्राप्त सूचना पर ग्रामवासियों द्वारा अलग - अलग स्थानों से अवैध शराब का जखीरा बरामद कर लहान को नष्ट किया गया । 105 प्लास्टिक डिब्बा, प्रत्येक में 20 केजी महुआ लाहन, कुल 2100 केजी तथा 54 प्लास्टिक बोरियों, प्रत्येक में 50 केजी महुआ लाहन कुल 2700 केजी, जुमला 4800 द्यद्द महुआ लाहन,बाजार मूल्य 240000 रु. । उपरोक्तानुसार सामग्री को आबकारी विभाग को सौंपा गया। बाद आरोपी के संबंध में पूछताछ करने पर पता नहीं चलने पर आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(च) के तहत लावारिस प्रकरण दर्ज कर मौके पर लाहन का नष्टीकरण किया गया । उपरोक्त कार्रवाई में पिथौरा वृत्त प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक शिवशंकर नेताम , गणेश यादव (आबकारी उप निरीक्षक वृत्त महासमुंद आंतरिक), देवेश मांझी, संजय तिवारी आरक्षक एवं कार्यवाही के दौरान समस्त ग्रामवासी डोकरपाली, आबकारी टीम पिथौरा एवं महासमुंद उपस्थित थे।

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों नियम के तहत कार्य करने के दिए निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उईके ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए समय पर प्राप्त प्रकरणों को निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को नियत समय पर कार्यालय पहुंचने के सख्त हिदायत दी। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय अधिकारी-कर्मचारी कार्यालय समय पर आना सुनिश्चित करे। इसकी मॉनिटरिंग राज्य स्तर पर की जाती है। साथ ही विभागों को प्राप्त होने वाले मांग, शिकायत,समस्याओं का निराकरण शासकीय नियमानुसार करें।उन्होंने समय-सीमा में दर्ज ,जनदर्शन,जनचौपाल,जन शिकायत,पीजी पोर्टल,लोक संवाद,सीपी ग्राम सहित उच्च कार्यालयों के लंबित प्रकरणों को नियत समय के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चन्द्राकर,अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत, नवीन भगत,पंकज डाहिरे,स भी एसडीएम,जनपद सीईओ सहित जिला अधिकारी मौजूद रहे।

बिर्रा- सिचाई कालोनी मे नहर कर्मचारी न रहकर किराया मे दिया मकान खंडहर मे तब्दील

जांजगीर (समय दर्शन)। जांजगीर शाखा नहर ज/प्रं उपसंभाग कं 3बिर्रा के सिंचाई कालोनी में कर्मचारी नहीं रहकर किराया में कर्मचारी को खुलेआम दिया जाने का मामला सामने आया है। अनुविभागीय अधिकारी जांजगीर शाखा नहर ज/प्रंउपसंभाग क्रं 3बिर्रा में सिंचाई कालोनी का निर्माण कार्य किया गया था जिसमें सभी नहर विभाग के अधिकारी कर्मचारी के लिए कमरा एलाट किया गया था ताकि नहर के रखरखाव करने और किसानों को नहर के पानी आसानी से मिल सके इसके लिए सरकार ने नहर सिंचाई कालोनी का निर्माण किया गया था परन्तु पिछले चार दशक से सिंचाई कालोनी में अधिकारी नहीं रहने के कारण सभी कमरा को किराया में कर्मचारी को दिया गया है तथा कालोनी के कमरा में रहने वाले कर्मचारी को प्रतिमाह तीन हजार रुपए किराया में वसूली किया जाता है। आवास में रहने वाले सभी कर्मचारी को प्रतिमाह तीन हजार रुपए की राशि इनके वेतन से सीधे कटौती होती है।आज सिंचाई कालोनी के कमरा को विभाग के कर्मचारी आय का जरिया ढूंढ निकाला है तथा सभी कमरा में कर्मचारी को अपनी वेतन की कटौती से सीधे सिंचाई विभाग के अधिकारी के खाता में जमा हो जाता है। वास्तव में आवास का किराया किसके खाता में जमा होता है इस बारे में आवास के कर्मचारी को भी पता नहीं चल पाया है कि वास्तव में

किराया के राशि किसके खाता में राशि जमा होता है मजे की बात यह है कि जब सिंचाई विभाग के कर्मचारी को इस बारे में जानकारी लेने पर गोलमोल जवाब दिया जाता है।आज सिंचाई कालोनी आवास कमाने के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारी ने नायाब तरीका निकाल लिया है इतने वर्षों से चल रहे आवास किराया किसी को कानों तक खबर नहीं चला और आवास में हर रोज वाहन गाड़ी बेतरतीब ढंग से वाहन को खड़ा कर दिया है जिससे वाहन कालोनी आवास की सुन्दरता पर ग्रहण लग गया है। अगर ऐसा हालात रहा तो सिंचाई कालोनी आवास खण्डहर मे तब्दील हो जाएगा।वास्तव में इस मामले की निष्पक्ष जांच कर होने पर सच्चाई सामने आ जाएंगी। सबके सामने सच बाहर आ जाएगा।

वेतन से सीधे कटौती-एसडीओ सिंचाई कालोनी में रहने वाले सभी कर्मचारी शासकीय होने के कारण वेतन से सीधे कटौती की जाती है।

सिंचाई विभाग एसडीओ सुधीर कुमार सुखदेव

शहरी प्रधानमन्त्री आवास योजनान्तर्गत भूमि पूजन

बसना(समय दर्शन)। बसना नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 11 में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रस्तावित आवासों के निर्माण हेतु भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के नागरिकों को पक्का आवास प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती खुशबू अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके साथ नगर पंचायत के उपाध्यक्ष शीत गुप्ता, वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद महेंद्र सिंह अरोरा एवं मुजम्मिल कादरी, विधायक प्रतिनिधि निर्मलदास,मण्डल अध्यक्ष नगेन्द्र यादव,महामंत्री दीपक शर्मा, मीडिया प्रभारी आयुष अग्रवाल

इस दौरान मौजूद रहे। भूमिपूजन के अवसर पर वार्डवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने प्रधानमंत्री आवास योजना की उपयोगिता, पारदर्शिता और सरकार की जनहितकारी सोच पर प्रकाश डाला। सभी ने आश्वासन दिया कि पात्र लोगों को शीघ्रता से योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती खुशबू अग्रवाल ने कहा, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर जरूरतमंद परिवार को एक सम्मानजनक और सुरक्षित आवास मिले। यह सिर्फएक योजना नहीं, बल्कि गरीबों के सपनों को साकार करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए नगर पंचायत प्रशासन एवं स्थानीय नागरिकों का सहयोग सराहनीय रहा।

मोटर सायकल चोरी करने वाले आरोपी को किया गया गिरतार

गरियाबंद (समय दर्शन)। मामले में मिली जानकारी के अनुसार 23 जून को प्रार्थी महेश राम ध्रुव पिता मगंल सिहं ध्रुव उम्र 50 साल निवासी डोगरीगांव थाना गरियाबंद द्वारा थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 20 जून को सब्जी मंडी सब्जी खरीदने गरियाबंद आया था। सब्जी खरीदने के बाद वापस आकर देखा तो मोटर सायकल एचएफडीलक्स क्रमांक ष्टत्र.23 रु8401 को कोई अज्ञात चोरी कर ले गया।इस रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली गरियाबंद में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया है। विवेचना दौरान मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम पारागांव निवासी नंदलाल ध्रुव उर्फनंदू अपने पास संदिग्ध मो.सा.रखकर नम्बर प्लेट बदलकर चला रहा है। सूचना पर गवाहो के साथ संदेही को पुलिस अभीरक्षा में लेकर चोरी के मोटर सायकल को बरामद करते हुए पुछताछ किया गया। पूछताछ के दौरान बताया की 20 जून को सब्जी मंडी गरियाबंद से मोटर सायकल एचएफडीलक्स क्रमांक ष्टत्र.23 रु8401 को चोरी कर मो.सा. के नम्बर प्लेट को बल कर उपयोग करना स्वीकार किया। प्रकरण में आरोपी नंदलाल ध्रुव उर्फनंदू के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी नंदलाल ध्रुव उर्फनंदू के विरूद्ध पूर्व का अपराधिक रिकार्ड होने से विधिवत कार्यवाही करते हुए न्यायालय पेश किया।

बड़े साजापाली से खेखल्लीडीपा हेडसपाली मार्ग हेतु 3 करोड़ 85 लाख की मिली स्वीकृति

विधायक चातुरी नंद की पहल लाई रंग

लंबे वर्षों से की जा रही मांग सरायपाली विधायक के प्रयासों से हुई पूरी

बसना(समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के उत्तरांचल व वनांचल क्षेत्र में रोड काफी समय से जर्जर हैं ।

जनता के सहयोगऔर विधायक चातुरी नंद की जिद ने आखिर कार कार्य स्वीकृति के रूप मे जीत मिली है। सरायपाली विधानसभा क्षेत्र के बड़े साजापाली से खेखल्लीडीपा हेडसपाली मार्ग आखिरकार लंबे इंतजार के बाद लोक निर्माण विभाग से प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है। विधायक चातुरी नंद के लगातार पत्राचार और विधानसभा में मामला उठाने के बाद लोक निर्माण विभाग ने बड़े साजापाली से खेखल्लीडीपा हेडसपाली मार्ग हेतु 3 करोड़ 85 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

की है।

लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन ने साजापाली से खेखल्लीडीपा हेडसपाली मार्ग (लंबाई 3.20 कि.मी.) के निर्माण के लिए ?3.85 करोड़ (तीन करोड़ पचासी लाख रुपये) की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में मीडिया को जारी प्रेस विज्ञप्ति में विधायक चातुरी नंद ने कहा कि लंबे वर्षों से बड़े साजापाली से खेखल्लीडीपा हेडसपाली मार्ग की मांग क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही थी।

सड़क निर्माण हेतु ग्रामीणों के साथ हम विभागीय अधिकारियों से मिलकर प्रशासकीय स्वीकृति हेतु प्रयासरत थें। आम जन की मांग के अनुरूप आखिर कार लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई हैं। विधायक चातुरी नंद ने कहा कि आज यह सिद्ध हो गया कि जनता की आवाज़ अगर सशक्त प्रतिनिधि के माध्यम से दमदार तरीके से उठाई जाए तो सरकार को झुकना ही पड़ता है। यह सड़क सिर्फ सीमेंट-कांक्रीट का ढांचा नहीं है, यह हमारे किसानों के सपनों का रास्ता है, विद्यार्थियों की शिक्षा की राह है और आम जन की रोज़मर्रा की जरूरतों का समाधान है। उन्होंने कहा कि जनता की ताक़त और हमारे प्रयासों से जो काम सालों से लटका हुआ था, वह अब हकीकत बनकर सामने आया है। विधायक नंद ने यह भी कहा कि किसानों को अपनी फसलें समय पर मंडियों तक पहुँचाने में सहूलियत होगी। विद्यार्थियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन मिलेगा। ग्रामीण व्यापार, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच आसान होगी। सरायपाली क्षेत्र का सामाजिक और आर्थिक विकास तेज़ी से आगे बढ़ेगा।

विधायक चातुरी नंद ने कहा कि यह तो सिर्फशुरुआत है। जब तक सरायपाली क्षेत्र का हर कोना विकास की रोशनी से नहीं जगमगाता, तब तक मेरा संघर्ष जारी रहेगा। जनता ने मुझे आशीर्वाद दिया है और मैं इस क्षेत्र की बेटी होने के नाते उनकी सेवा के लिए चौबीसों घंटे समर्पित हूँ। यह सड़क निर्माण की स्वीकृति केवल एक कागज़ पर हस्ताक्षर नहीं है, बल्कि यह प्रमाण है कि जनता की शक्ति और जनप्रतिनिधि की प्रतिबद्धता मिलकर असंभव को संभव कर सकती है। सड़क निर्माण की स्वीकृति होने पर बड़े साजापाली के सरपंच, बूटी पाली के सरपंच रोहित साहू, विधायक प्रतिनिधि घसिया सिदार, सरपंच हरदा पुरुषोत्तम साहू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रतन बंजारा, गिरवर वारे, विष्णु दास, सोनसाय बरिहा, टोपचंद पटेल सहित स्थानीय ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की स्वीकृति हेतु विधायक चातुरी नंद का आभार जताया है।

चिपरी शाला भवन जर्जर,छात्र खतरे में दर्रीपारा से चिपरी सड़क व पुल निर्माण की उठी मांग

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने अपने क्षेत्रीय दौरे के दौरान दो अहम मुद्दों को जिला प्रशासन के संज्ञान में लाते हुए तत्काल कार्यवाही की मांग की है।जिसमे पहला मुद्दा ग्राम चिपरी के प्राथमिक शाला भवन का है। यह शाला सन 1979 से संचालित है,वर्तमान में यहाँ 41 विद्यार्थी (34 आदिवासी एवं 7 ओबीसी वर्ग के) अध्ययनरत हैं। शाला भवन पूरी तरह से जर्जर एवं खंडहरनुमा हो चुका है। एक अतिरिक्त कक्ष में ही पहली से पाँचवीं तक सभी बच्चों को बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। यह न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। श्री नेताम ने कहा कि वनांचल क्षेत्र के बच्चों को उचित शिक्षा का अधिकार है, ऐसे में भवन निर्माण की तात्कालिक आवश्यकता है।

वही दूसरा बड़ा मुद्दा दर्रीपारा से चिपरी तक पक्की सड़क एवं पुल निर्माण का है।इस मार्ग की दूरी लगभग 4 किलोमीटर है।वर्तमान में किसानों को अपनी उपज बेचने हेतु 12ङ्क15 किलोमीटर घूमकर दर्रीपारा मंडी पहुँचना पड़ता है। यदि यह मार्ग बन जाता है तो दूरी घटकर 6ङ्क8 किलोमीटर रह जाएगी, जिससे किसानों का समय व परिवहन लागत दोनों की बचत होगी। इसी प्रकार विद्यार्थियों को भी दर्रीपारा हायर सेकंडरी शाला तक पहुँचने में आसानी होगी। ग्रामीणों का जिला मुख्यालय तक आवागमन भी सरल हो जाएगा।

संजय नेताम ने जिला प्रशासन से माँग करते हुए कहा कि....चिपरी शाला भवन के लिए तत्काल नया भवन स्वीकृत कर निर्माण कराया जाए।साथ ही दर्रीपाराङ्कचिपरी सड़क एवं पुल निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए।वही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन दोनों महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रशासन शीघ्र कदम नहीं उठाता है,तो क्षेत्रवासी बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

एनएचएम कर्मचारियों के आंदोलन से स्वास्थ्य सेवाएं ठप, सरकार जिम्मेदार

मंत्रीयो के मुखौटा लगाकर उनके वादों को माइक से जनता को सुनाया

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के 16,000 से अधिक कर्मचारी अपनी 10 सूत्रीय मांगों (नियमितीकरण, ग्रेड पे, पब्लिक हेल्थ कैडर की स्थापना, लंबित 27त्र वेतनवृद्धि सहित) को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। आंदोलन के चलते पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ.अमित मिरी एवं प्रदेश प्रवक्ता पूरन दास ने बताया कि कर्मचारियों ने कई बार मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी जायज मांगें रखीं, लेकिन लगातार अनदेखी की गई। यहां तक कि 27त्र वेतनवृद्धि, मेडिकल अवकाश और ग्रेड पे पर स्वीकृति मिलने के बावजूद आदेश जारी नहीं किए गए, जिससे नाराज़ कर्मचारी अब हड़ताल पर हैं।

आयोजित हड़ताल से मरीजों को दवाइयाँ उपलब्ध नहीं हो रही है,नवजात शिशु वार्ड बंद सहित पोषण आहार केंद्र बंद पड़े हैं,शुगर,ब्लड टेस्ट, ट्रूनाट,सीबीनाट से बलगम टेस्ट और नेत्र जाँच बाधित हो रही है।वही स्कूल व आंगनबाड़ी स्वास्थ्य परीक्षण पूरी तरह ठप,रूटीन टीकाकरण बंद टीबी, मलेरिया, कुष्ठ जैसी बीमारियों के मरीजों को दवाइयाँ नहीं मिक्लर्क साथ सुदूर ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के कई अस्पतालों में अव्यवस्था बढ़ गई है और कई अस्पताल पूरा बंद होने की कगार पर हैं।इसके साथ ही कर्मचारी संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द ही उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया,तो आगे आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।जिसकी जिम्मेदारी शासन की होंगी।आंदोलन मंच पर मुख्य वक्ता के रूप में

अमृत राव भोंसले जिलाध्यक्ष,भूपेश साहू, भूपेंद्र सिन्हा, प्रांतीय प्रतिनिधि, रजत महतो उपाध्यक्ष, कमलेश्वर ढीढी सचिव, संदीप वर्मा, योगेश साहू, मीडिया प्रभारी,डॉ शंकर पटेल,डॉ योगेंद्र रघुवंशी संरक्षक, दीपेश टांडी, गौरव यादव अध्यक्ष छुरा ब्लॉक, सौरभ पांडे अध्यक्ष देवभोग ब्लॉक, शिव साहू मैनपुर, धरम साहू राजिम, डॉ लक्ष्मी कांत ठाकुर, डॉ सनत कुम्भकार, डॉ लक्ष्मी नारायण आर. बी. एस. एस. के., गोविन्द साहू अध्यक्ष ब्लॉक राजिम,धीरज शर्मा अध्यक्ष ब्लॉक गरियाबंद, टिकेश साहू कोषाध्यक्ष, अनीश अख्तर, पूजा साहू, पूजा विश्वकर्मा जिला अस्पताल, इंद्र कुमार चंद्राकर बी पी एम छुरा, शेखर धुर्वे बी. पी. एम. गरियाबंद, तुजेंद्र दीवान बी. पी. एम. देवभोग, डॉ चेतन नाग, युलिका देवांगन, पारुल सी एच ओ, पुष्पा कुर्रे अध्यक्ष ब्लॉक मैनपुर, हुलसी मरकाम महिला विंग प्रभारी, दीप्ति ध्रुव सी एच ओ,उपस्थित रहे।

भांजे की हत्या करने वाले आरोपी मामा को किया गया गिरतार

गरियाबंद (समय दर्शन)। भांजे का हत्या करने के आरोप में आरोपी मामा को सीटी कोतवाली पुलिस के द्वारा चौबीस घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।मामले में मिली जानकारी के अनुसार 18 अगस्त को थाना सिटीकोतवाली को सूचना मिली की ग्राम दर्रीपारा (कोचवाय) निवासी जयलाल निषाद अपने घर के आंगन में खून से लथपथ हालत में जमीन पर गिरा पड़ा है।इस सूचना पर तत्काल थाना प्रभारी सिटीकोतवाली और टीम मौके पर रवाना हुई।मौके पर जयलाल निषाद मृत अवस्था में पड़ा हुआ था।देखने में शरीर में मारपीट और चोंट के निषान मौजूद थे।मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा थाना प्रभारी गरियाबंद को उक्त प्रकरण की बारिकी से जाँच करने के निर्देष दिये गये।जिस पर मर्ग

पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग क्रमांक 40/2025 धारा 194 बीएनएसएस कायम का जाँच कार्यवाही में लिया गया। मर्ग जाँच के दौरान गवाहों का कथन एवं प्राप्त साक्ष्य के आधार पर प्रकरण में प्रथम दृष्टिया हत्या का अपराध पाये जाने से अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध धारा 103(03) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण विवेचना के दौरान संदेही आरोपी चन्द्रकुमार निषाद को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पुछताछ किया गया।जिसमें उसने बताया कि मृतक जयलाल निषाद रिष्ते में भांजा लगता है।जो आदतन शराबी होने से शराब के नषे में आये दिन झगड़ा विवाद करता था।वही 17 अगस्त के रात्रि पुन: झगड़ा विवाद करने से तंग आकर जान से मारने की नियत से चुल्हा के पास रखे लोहे के चौकार फुंक्नी पाईप उसके सिर में प्राणघातक हमला कर चोंट पहुँचाया।जिससे लहुलुहान होकर मृतक जमीन में गिर गया।उसके बाद उसके सीने के उपर बैठकर गला दबाकर हत्या करना स्वीकार किया।प्रकरण के आरोपी चन्द्रकुमार निषाद पिता स्व0 धनसिंग निषाद उम्र 45 साल निवासी दर्रीपारा के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2021-23